संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 115
पृष्ठ 8
रविवार
12 जनवरी 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ग्लोइंग स्किन के....
विचार- नफरत की इंतिहां,....
खेल- बिग बैश लीग में ....

राम मंदिर की पहली वर्षगांठ-सीएम योगी बोले-

बटेंगे तो मिलेगा उत्पीड़न, धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा खामियाजा

अयोध्या। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ श्री राम जन्मभूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ श्प्रतिष्ठा द्वादशीश के अवसर पर श्री राम मंदिर में पूजा की। इसके बाद योगी ने अपने संबोधन में कहा कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि आज से एक साल पहले 500 साल का इंतजार खत्म कर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि हर दिन औसतन 1.5 से 2 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। 2014 से पहले अयोध्या में बिजली नहीं थी।

योगी ने कहा कि अयोध्या में साफ–सफाई नहीं थी। अयोध्या में कोई एयरपोर्ट नहीं था। लेकिन आज अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। अयोध्या में फोर–लेन और सिक्स–लेन सड़कें बनाई गई हैं। सरयू नदी के घाट देश भर से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम जाति, क्षेत्र, भाषा के आधार पर बंटे रहे तो सबसे पहले इसका खामियाजा धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा। हम सभी को एकजुट रहना चाहिए। एक साल पहले पीएम मोदी ने भी कहा था कि भगवान राम राष्ट्र के प्रतीक हैं. श्राम हैं तो राष्ट्र हैं, राष्ट्र हैं तो राम हैं। राम मंदिर ट्रस्ट मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए अयोध्या में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करेगा। ये समारोह 11 से 13 जनवरी तक निर्धारित हैं। आम लोगों के साथ–साथ लगभग 110 वीआईपी, जो पिछले साल ऐतिहासिक समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे, उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में श्भारत की लोक रानीश मालिनी अवस्थी जैसे प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगाय पार्श्व गायिका और राजनीतिज्ञ अनुराधा पौडवाल और कवि कुमार विश्वास सहित अन्य।

मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, तीन दिवसीय उत्सव के दौरान कई धार्मिक अनुष्ठानों के साथ राम कथा और राम लीला प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर की पहली वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। मोदी ने लिखा कि अयोध्या में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को बहुत–बहुत शुभकामनाएं। सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष से बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और अध्यात्म की महान धरोहर है। मुझे विश्वास है कि यह दिव्य–भव्य राम मंदिर विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में एक बड़ी प्रेरणा बनेगा।

मध्यम वर्ग को सरकार से है ये आस

क्या बजट में कर मुक्त आय का दायरा बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाएगा?

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2025 नजदीक आ रहा है। महत्वपूर्ण कर सुधारों और आर्थिक राहत से जुड़े उपायों की उम्मीद भी बढ़ती जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2025 को बजट करेंगी। मध्यम वर्ग इस बजट से अन्य प्रस्तावों के अलावा कर–मुक्त आय सीमा में इजाफे की उम्मीद कर रहा है। बजट से पहले कई संगठनों ने सरकार से इस बारे में फैसला लेने की अपील की है। ऐसे में सरकार बजट 2025 में इससे जुड़ा कोई बड़ा एलान कर दे तो, आश्चर्य नहीं होगा। बीएमएस ने ईपीएस–95 लाभार्थियों के लिए न्यूनतम पेंशन 1,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये करने की वकालत की है, तथा भविष्य में इसे सरकार के न्यूनतम वेतन के 50: के लक्ष्य के साथ परिवर्तनीय महंगाई भत्ते (वीडीए) से जोड़ने की वकालत की है। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का विस्तार ईपीएस–95 पेंशनभोगियों तक करने तथा

सार्वभौमिक वृद्धावस्था पेंशन शुरू करने का भी सुझाव दिया। श्रमिक कल्याण में सुधार के लिए भी कई सिफारिश की गई है। इसमें ग्रेच्युटी की गणना को बढ़ाकर साल में 30 दिन करना, बीड़ी और ठेका श्रमिक बोर्ड जैसे औद्योगिक बोर्डों का वित्त पोषण करना और नई पेंशन योजना (एनपीएस) की तुलना में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को प्राथमिकता देना शामिल है।

केंद्रीय बजट आने में बस कुछ ही सप्ताह बचे हैं, मध्यम वर्ग और कर्मचारी समूह इन साहसिक प्रस्तावों पर सरकार की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अगर ये उपाय अपनाए जाते हैं, तो इनसे लोगों को पर्याप्त वित्तीय राहत मिल सकती है। ये उपाय भारत के आर्थिक ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। बजट 2025 इन अपेक्षाओं को पूरा करेगा या नहीं, इस पर 01 फरवरी 2025 को ही स्थिति साफ होगी।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर मोदी ने दी बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुये कहा कि सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष से बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और अध्यात्म की महान धरोहर है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "अयोध्या में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को बहुत–बहुत शुभकामनाएं।

आप का खेल बिगाड़ने की तैयारी में कांग्रेस, अल्पसंख्यक और ओबीसी वोटर्स पर फोकस

नई दिल्ली। दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस खास मतदाता समूहों पर फोकस कर रही है। पार्टी सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार कर रही है। लेकिन महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक, ओबीसी और अनुसूचित जाति आबादी वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है। कांग्रेस का लक्ष्य इन पारंपरिक समर्थकों के साथ फिर से जुड़ना है। कांग्रेस का फोकस खासकर झुग्गी–झोपड़ी इलाकों में भी बहुत दिख रहा है। ऐसे में कांग्रेस आम आदमी पार्टी के खेल को बिगाड़ने की कोशिश में है। हालांकि, ये बात भी सही है कि 2013 से पहले ये वोटर्स कांग्रेस के ही हुआ करते थे। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि मुस्तफाबाद, सीलमपुर, ओखला, बाबरपुर, चांदनी चौक, मटिया महल, बल्लीमारान और गोकुलपुरी जैसे अल्पसंख्यक बहुल निर्वाचन क्षेत्रों ने वर्षों से लगातार हमारा समर्थन किया है।

तेलंगाना सड़क दुर्घटना में दो की मौत

महबूबनगर। तेलंगाना के महबूबनगर जिले में जडचेरला के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर शुक्रवार देर रात एक निजी यात्री बस और खड़े ट्रक के बीच टक्कर हो गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि यह दुर्घटना तब हुई, जब बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। बस ने पहले एक कार के पिछले हिस्से को टक्कर मारी और फिर एक खड़ी लॉरी से टकरा गई, जिससे लॉरी पलट गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गयी और 15 लोग घायल हो गये। घायलों को जडचेरला और महबूबनगर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस घटना से संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गयी है।

दुर्घटनाग्रस्त फैक्ट्री से तीन शव और बरामद

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के सरगांव में ग्राम पंचायत रामबोड़ स्थित कुसुम लोहा फैक्ट्री में साइलो के गिरने से राखड़ में दबे एक इंजीनियर का शव मिला है इसके अलावा दो मजदूरों के शवों को सुबह तक ढूंढकर निकाला गया। लगातार 40 घंटे चले इस रेस्क्यू ऑपरेशन को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीम ने अंजाम दिया। इस तरह से इस हादसे में अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। साइलो के नीचे दबे मिले शवों की पहचान बिलासपुर के सरकंडा निवासी इंजीनियर जयंत साहू के अलावा दो मजदूर अवधेश कश्यप और प्रकाश यादव के रूप में हुई है। तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिम्स, बिलासपुर भेजा गया है। इसके पहले एक मजदूर मनोज धृतलहरे को घायल अवस्था में घटना स्थल से निकाला गया था,जिसकी उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई थी।

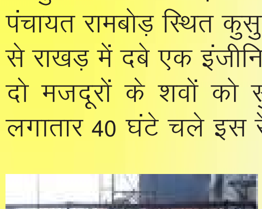

भाजपा का नया गीत 'ईमानदारी की टोपी पहनाकर, घोटालों से चूना लगाकर' हुआ जारी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को शीशमहल आपदा फैलाने का अड्डा नाम से दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिये एक नया गीत जारी किया, जिसका बोल ईमानदारी की टोपी पहनाकर, घोटालों से चूना लगाकर है। इस गीत को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने जारी किया। इस मौके पर उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुये कहा कि मुगलों का राज जब दिल्ली में था, तो लोग महल देखने आते थे, लेकिन आप–दा वाले आजम ने दिल्ली वालों के खून पसीने को लूटकर जो शीशमहल बनवाया है, वह दिल्ली के माथे पर कलंक है। उन्होंने कहा कि आज दिल्लीवाले के सामने शीशमहल है, लेकिन उसके बावजूद रोज उसे छुपाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल दिल्लीवालों को गाली देते हैं, जबकि दिल्ली वालों ने उन्हें मुख्यमंत्री बनवाया था। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष ने श्री केजरीवाल को आप–दा–ए–आजम की संज्ञा दिया और कहा कि दिल्ली को लूटने तथा बर्बाद करने का काम श्री केजरीवाल ने किया है।

भारत में लगातार बढ़ रहे एचएमपीवी के मामले

अब असम में 10 महीने का बच्चा मिला संक्रमित

गुवाहाटी। चीन में कहर बरपा रहा ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) अब भारत में दस्तक दे चुका है। कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, अब असम का भी नाम इस सूची में जुड़ गया है। यहां 10 महीने के एक बच्चे में एचएमपीवी संक्रमण का पता चला है। बच्चे का डिब्रूगढ़ स्थित असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) में इलाज हो रहा है। उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही।

एएमसीएच के अधीक्षक डॉ. ध्रुबज्योति भुइंया ने बताया कि बच्चा चार दिन पहले सर्दी–जुकाम जैसे लक्षणों के कारण अस्पताल में भर्ती हुआ था। कल हमें लाहोवाल स्थित आईसीएमआर–आरएमआरसी से परीक्षण रिपोर्ट मिली, जिसमें एचएमपीवी संक्रमण की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा कि इन्फ्लूएंजा और फ्लू जैसे मामलों के लिए नियमित रूप से नमूने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) को भेजे जाते हैं। यह एक नियमित जांच थी, जिसमें संक्रमण का पता चला। बच्चे की हालत स्थिर है। यह एक सामान्य वायरस है और चिंता की कोई बात नहीं है। लाहोवाल स्थित क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र एनई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बिस्वजीत बोर्काकोटी ने बताया, 2014 से अब तक हम डिब्रूगढ़ जिले में 110 एचएमपीवी मामलों का पता लगा चुके हैं। यह इस मौसम का पहला मामला है। यह हर साल पाया जाता है और इसमें कुछ नया नहीं है। एएमसीएच से हमें जो नमूना मिला था, वह एचएमपीवी पॉजिटिव पाया गया।

आदित्य ठाकरे के निजी हित में शिवसेना-यूबीटी ने एमवीए तोड़ने का किया फैसला

मुंबई। वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने आज आरोप लगाया कि उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) के शिवसेना गुट ने आदित्य ठाकरे के निजी हित के लिए महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को तोड़ने का फैसला किया। इस बीच, इस सवाल के जवाब में कि महा विकास अघाड़ी टूट की ओर बढ़ रही है और गठबंधन में सभी दल अलग–अलग चुनाव लड़ सकते हैं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मेरा कहना यह है कि चाहे वे एक साथ लड़ें, अलग–अलग लड़ें, एकजुट रहें या अलग हो जाएं, हमारा ध्यान इस पर नहीं है। हमारा ध्यान महाराष्ट्र की प्रगति की दिशा में काम करने पर है। आने वाले सभी चुनावों में जनता का आशीर्वाद हमारे साथ रहेगा। इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी विभिन्न स्थानीय निकायों के आगामी चुनाव अकेले लड़ेगी। यह महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी के लिए बड़ा झटका है। पत्रकारों से बात करते हुए, राज्यसभा सांसद ने कहा कि इंडिया ब्लॉक और महा विकास अघाड़ी गठबंधन लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए है। उन्होंने कहा कि हम मुंबई और नागपुर नगर निगम से अपने दम पर लड़ेंगे, जो होगा सो होगा। हमें खुद ही देखना होगा। हम अपने दम पर नागपुर से लड़ेंगे। ऐसा संकेत हमें उद्धव ठाकरे ने दिया है। राउत ने कहा कि मैंने अभी हमारे शहर शिव सेना प्रमुख प्रमोद मानमोडे से इस पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि गठबंधन में कार्यकर्ताओं को लोकसभा और विधानसभा लड़ने का मौका नहीं मिलता है।

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025(रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रविष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता–'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए.अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

टैटूनुमा चिप मेले में श्रद्धालुओं और साधु-संतों की सेहत का रखेगी ध्यान, पहली बार होगा इस्तेमाल

प्रयागराज। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और साधु–संतों की सेहत का ख्याल एक छोटी सी टैटू नुमा चिप रखेगी। इसके माध्यम से लोगों के बीपी, हृदय गति और ऑक्सीजन के स्तर को परखा जाएगा। इसके लिए लोगों को अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि वह जहां भी होंगे उनके स्वास्थ्य पर आसानी से नजर रखी जा सकेगी। इस अमेरिकी तकनीक का रायबरेली एम्स की टीम मेले में इस्तेमाल करेगी। यह सुविधा श्रद्धालुओं और साधु–संतों के लिए निशुल्क रखी गई है। सेक्टर–20 स्थित 25 बेड के उप केंद्रीय अस्पताल में रायबरेली एम्स के चिकित्सकों की टीम 10 बेड के आईसीयू वार्ड की निगरानी कर रही है। एम्स के चिकित्सकों ने मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ देने के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल किया है। इस पद्धति को टेलीमेडिसिन कहा जाता है। इसमें एक टैटू के अंदर माइक्रोचिप होती है। चिप को मरीज के हृदय के ऊपर चिपका दिया जाता है। इसे इंटरनेट के माध्यम से अस्पताल के एआई सिस्टम से जोड़ दिया जाता है। ऐसे में मरीज के पास इंटरनेट की सुविधा का होना जरूरी है। इसके जरिये डॉक्टरों के पास चिप के माध्यम से मरीज की हृदय गति, बीपी व ऑक्सीजन लेवल की रिपोर्ट लगातार आती रहती है। ऐसे में चिकित्सक जब चाहे मरीज की वर्तमान स्थिति का आंकलन कर सकते हैं। यह अमेरिकी पद्धति है, जिसमें मरीज के शरीर में टैटू की तरह चिप लगा दी जाती है। इसके माध्यम से मरीज की ईसीजी, बीपी की जांच व ऑक्सीजन स्तर किसी भी समय देख सकते हैं। इसके अलावा इमरजेंसी में चिप की तरफ से अलर्ट सिग्नल भी सिस्टम पर भेजा जाता है। इतना ही नहीं, अगर मरीज की हालत जरा भी गड़बड़ाती है, तो चिप के माध्यम से चिकित्सकों के सिस्टम पर अलार्म बजने लगता है। जिससे पता चल जाता है, कि मरीज की हालात ठीक नहीं है। ऐसे में डॉक्टरों का एक दल मौके पर मरीज का हाल जानने पहुंचेगा और जरूरत पड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती किया जाएगा। रायबरेली एम्स के सुपरिटेंडेंट डॉ. सुयस का कहना है कि रायबरेली में लगभग 100 मरीजों को स्वास्थ्य लाभ दिया जा चुका है। प्रयागराज में इस विधि का इस्तेमाल पहली बार हो रहा है।

श्री हनुमान जन्मभूमि रथ यात्रा का प्रतापगढ़ में हुआ भव्य स्वागत

प्रतापगढ़ ।मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के भव्य मंदिर की स्थापना की प्रथम वर्षगाँठ के अवसर पर आज श्री हनुमान जी की जन्म भूमि किष्किंधा से आयी हुई श्री हनुमान जन्मभूमि रथ यात्रा का प्रतापगढ़ स्थित माँ बेल्हा देवी धाम से प्रयागराज के लिए प्रस्थान हुआद्य इस अवसर पर श्रीराम भक्तों द्वारा श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ और आरती का कार्यक्रम किया गयाद्य श्री हनुमान जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र किष्किंधा, विजयनगर, कर्नाटक के अध्यक्ष पूज्य स्वामी गोविंदानंद सरस्वती जी महाराज ने विधिवत पूजन के साथ रथ को प्रयागराज की ओर रवाना कियाद्य इस अवसर पर

भक्तिमय वातावरण बना रहाद्य पूज्य श्री गोविंदानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि श्री हनुमान जी के दिव्य मंदिर के निर्माण का कार्य आरंभ हो गया है और आने वाले समय में किष्किंधा में एक भव्य श्री हनुमान मंदिर भक्तों के लिए बनकर तैयार होगाद्य समाज में भक्ति भाव का वातावरण तैयार करने के साथ–साथ हिंदू राष्ट्र की संकल्पना को लेकर 12 वर्षों के लिए निरंतर यह रथ यात्रा चलने वाली हैद्य रथ यात्रा प्रयागराज महाकुंभ में विश्राम करेगी द्यकार्यक्रम का आयोजन डॉ सौरभ पांडेय और संयोजन ज्योतिषाचार्य आलोक ऋषि वंश ने कियाद्य रथ यात्रा का जिले के विभिन्न स्थानों माँ बेल्हा देवी धाम, भरत चौक, बाबागंज, स्टेशन रोड, भँगवा चुंगी, भुपियामऊ, देल्हूपुर, आदि स्थानों पर भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री आलोक पांडेय, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, सह नगर संघ चालक विजय पटेल ,रामकृष्ण मिश्र गुड्डू, सिंधुजा मिश्रा, पूर्व राज्य मंत्री अवधेश मिश्रा, भाजपा नेता डॉ राकेश सिंह, भाजपा नेता आशुतोष त्रिपाठी, सुनील दुबे, नितेश खंडेलवाल, दिनेश सिंह दिन्नू, विपिन गुप्ता, संजीव आहूजा, शरद केसरवानी, शिशिर खरे, पिंकी दयाल, रुचि केसरवानी, सीमा मिश्रा, प्रमिला शुक्ला, प्रिया त्रिपाठी, अनीता पांडेय, रेनू पांडेय ,अश्वनी पांडेय, अजय पांडेय, दिनेश अग्रहरि डॉ विनोद त्रिपाठी ,अच्युतानंद पांडेय, आशुतोष त्रिपाठी, विजय कौशल, सुशील मिश्रा, विनोद मिश्रा, वीरेंद्र पटेल, सूरज पांडेय, संदीप शुक्ला, रानू मिश्रा, नितिन दुबे, सौरभ सिंह, विशाल सिंह, शिखर सिंह, हनी सिंह आदि ने रथ यात्रा का स्वागत कियाद्य

संस्कार भारती का भूमि-पूजन संपन्न हुआ

प्रयागराज ।संस्कार भारती द्वारा महाकुंभ 2025 में 18 जनवरी से 10 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाले 24 दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव ष्एक भारत श्रेष्ठ भारतष के संदर्भ में भूमि–पूजन का कार्यक्रम मेला–क्षेत्र के सेक्टर 10 में बजरंग दास मार्ग पर आवंटित भूमि पर हुआ ।पं0राजेन्द्र त्रिपाठी मधुकर ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन–हवन कराया।मुख्य जजमान भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी निदेशक,रेशम निदेशालय एवं विशेष सचिव मत्स्य विभाग उत्तर प्रदेश सुनील वर्मा थे।अन्य जजमान डॉ0 गणेश अवस्थी अध्यक्ष काशी–प्रांत,क्षेत्र प्रमुख देवेन्द्र त्रिपाठी,उपाध्यक्ष डॉ0 कुमार अम्बरीष चंचल,भानुप्रताप त्रिपाठी एवं योगेन्द्र कुमार मिश्र अध्यक्ष महानगर इकाई प्रयागराज तथा रेखा तिवारी थीं।इस अवसर पर संगठन मंत्री काशी–प्रांत दीपक शर्मा,सुशील राय संयोजक कार्यक्रम,प्रेमलता मिश्रा संयोजिका महिला शक्ति,डॉ0 ज्योति मिश्रा,रंजना त्रिपाठी,शम्भूनाथ श्रीवास्तव,आरवी सिंह,कल्पना सहाय,डॉ0 प्रदीप भटनागर,संतोष पाण्डेय,सुरभि सिंह,विशाल यादव,सत्या पाण्डेय एवं सौम्या आदि उपस्थित रहे।

विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति ने विश्व हिंदी दिवस मनाया

कवि सम्मेलन में कवियों ने स्वरचित कविता पाठ कर श्रोताओं की वाहवाही बटोरी

विश्वनाथ (असम),स– विश्वनाथ जिले के साथ राज्य में हिंदी भाषा के साहित्य चर्चा तथा प्रचार– प्रसार के क्षेत्र में स्थापना काल से विविध उपलब्धियाँ अर्जित करने वाले संस्थान विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति ने विश्वनाथ

चारिआलि शहर मेंस्थित शांति निवास सभागार में शुक्रवार को विश्व हिंदी दिवस समारोह तथा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उद्घाटन सत्र का आयोजन अपराह्न तीन बजे किया जिसमें सचिव संतोष कुमार महतो द्वारा संचालित सभा की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने की। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह , मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार हरि लुइटेल , विशिष्ट अतिथि क्रमशः वरिष्ठ संस्कृत विद्वान लोकनाथ शास्त्री , विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के गीता वर्मा द्वारा माँ शारदा के फोटो के समीप दीप प्रज्वलित और विशिष्ट अतिथि लोकनाथ शास्त्री के दीप ज्योति श्लोकोच्चारण से हुआ ।इसके बाद शिक्षिका व कवयित्री सैयदा आनोवारा खातुन ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी जिसके बाद वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके बाद सभाध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, मुख्य अतिथि हरि लुइटेल , विशिष्ट अतिथि लोकनाथ शास्त्री और विशिष्ट अतिथि गीता वर्मा को गुलाम गामोछा तथा अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया ।सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा की उद्देश्य व्याख्या करते हुए सर्वप्रथम सभी हिंदी प्रेमी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं व बंधाईयाँ दी। मुख्य अतिथि हरि लुइटेल ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्व हिंद दिवस तात्पर्य के ऊपर सारगर्भित व्याख्या दी और असमीया– हिंदी तथा हिंदी – असमीया साहित्य अनुवाद करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किए। वशिष्ठ अतिथि लोकसभा शास्त्री और गीता वर्मा ने वैश्विक स्तर पर हिंदी के विकास और स्थानीय भाषा के साथ हिंदी को लेकर आगे बढ़ने पर व्याख्यान दी ।इस सत्र के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी के प्रति आभार जताते हुए संस्थान द्वारा विगत नौव वर्षों में हिंदी भाषा व साहित्य के विकास मेंकिए गए कार्य की जानकारी दी और वैश्विक स्तर पर हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डालते। तत्पश्चात् उद्घाटन सत्र के समापन के बाद कवि सम्मेलन सत्र का शुभारंभ होता है जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार हरि लुइटेल ने किया। कवि सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में वरिष्ठ संस्कृत विद्वान लोकनाथ शास्त्री, विश्वनाथ महाविद्यालय के अध्यापिका गीता वर्मा और संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता मौजूद रहते हैं। विश्वनाथ के जाने–माने लेखिका व कवयित्री मनीषा पाल ने ष भाषा जननी हिंदी ष, शिक्षक सुरेंद्र कुमार सहनी ने ष शांति और सुकून की धाम ष , वरिष्ठ शिक्षक चित्र प्रसाद पौड्याल ने ष आरोहण ष , शिक्षक सुजीत कुमार शर्मा ने ष प्रकृति का रौद्र रूप ष, कवयित्री तथा अध्यापिका व गजलकार सैयदा आनोवारा खातुन ने ष क्या है यह मन ष , शिक्षिका रुकशद परवीन अहमद ने ष मेरा ससुराल मेरा मायका ष, हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो ने ष प्यार के भूखे ष और अंत में कवि सम्मेलन के विशेषज्ञ लोकनाथ शास्त्री ने संस्कृत में ष्एक वृक्ष शत पुत्रारू कविता का पाठ किया। सभी कवि – कवयित्री को असम के पारंपरिक अंगवस्त्र अरनाई और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया ।कवि सम्मेलन में कवियों ने स्वरचित कविता पाठ कर श्रोताओंकी वाहवाही लूटते हुए चार चाँद लगा दी ।विशेषज्ञ लोकनाथ शास्त्री ने सभी कविताओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए सभी की कविता में अंतर्निहित भावना को व्यक्त की और सभी की कविता एक से बढ़कर कहकर सराहना की। अध्यापिका गीता वर्मा ने भी सभी कवियों को काव्य लिखने की शैली – भाषा पर प्रोत्साहित करते हुए कहा आगे भी आपलोग गंभीर विषय पर कविता लिखें। संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार ने कविता पाठ करने को बधाई देते हुए कहा कि हिंदी राष्ट्रीयता के लेकर आगे बढ़ती है और हिंदी में रचना लिखना राष्ट्रीयता काम है ।अंत में कवि सम्मेलन के अध्यक्ष हरि लुइटेल ने कवियोंकी स्वरचित कविता की वाहवाही की और पाठ करने वाले सभी कवियों के कविता के मुख्य बिंदु पर प्रकाश डाले और हिंदीतर भाषी क्षेत्र विश्वनाथ में हो रहे हिंदी भाषा व साहित्य की कार्य की सराहना की। अंत में संस्थान के सचिव धन्यवाद ज्ञापन में सभी के प्रति आभार जताते हुए सभी महानुभावों से विनम्र निवेदन है कि आप हमारे कार्यक्रम में उपस्थित सभी होकर व संस्थान का भागीदार बनकर हिंदी भाषा के उत्थान में सहाय –सहयोग प्रदान करें। इस कार्यक्रम में संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, सहायक सचिव सुरेंद्र कुमार सहनी, साहित्य सचिव मदन गोपाल साहू, कोषाध्यक्ष बजरंग रैनियार, सह सांस्कृतिक सचिव मनीषा पाल,सलाहकार नागेश कुमार गुप्ता , सुधन साहनी ,सदस्या वंदना दास ,कल्पना पाल , कल्याण आश्रम असम के विश्वनाथ जिला के संगठन मंत्री सोमनाथ भगत आदि मौजूद रहते हैं।

दार्शनिक विचार वाले बच्चे हैं आध्यात्मिक रत्न -डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने नागुलापल्ली उप्परा गुडेम गांव में आयोजित सभा में दार्शनिक विचार रखने वाले बच्चों को आध्यात्मिक रत्न बताया। विगत शुक्रवार की रात श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के तत्वावधान में उप्पारा गुडेम, नागुलापल्ली के स्थानीय आश्रम परिसर में आयोजित ज्ञान चौतन्य सम्मेलन में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने अनुग्रह भाषण दिया। अपने भाषण में पीठाधिपति डॉक्टर उमर अली शाह ने त्रयी साधना को विश्व साधना के रूप में वर्णन करते हुए कहा कि त्रयी साधना के द्वारा विभिन्नता से एकता की ओर अग्रसर होकर मानवता के सुगंध को प्रसारित करते हुए मिलजुलकर संतोषपद जीवन यापन किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में 11 बच्चों ने आध्यात्मिक व्याख्यान दिए जिन्हें दर्शकों ने काफी पसंद किया। इस अवसर पर पीठाधिपति ने बच्चों को आध्यात्मिक प्रशिक्षण देने वाली गादी रामूडम्मा को शाल ओढाकर सम्मानित किया ।अपने व्याख्यान से लोगों की प्रशंसा प्राप्त करने वाले यशवंत को भी पीठाधिपति ने शाल ओढाकर सम्मानित किया। पीठाधिपति डॉक्टर उमर अली शाह के आशीर्वाद से सरकारी नौकरी हासिल करने वाले 12 युवकों को भी पीठाधिपति ने शाल ओढाकर सम्मानित किया। गांव की ओर से श्री जक्की वेंकट रेड्डी ,श्री जक्की श्रीनिवास रेड्डी और श्री जक्की वेंकट सोमराज के परिजनों ने पीठाधिपति डॉक्टर उमर अली शाह को सम्मानित किया। वैकुंठ एकादशी के अवसर पर आयोजित इस बैठक में सैकड़ों भक्तों ने पीठाधिपति का दर्शन कर धन्य हुए।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले : जहां नहाते थे शंकराचार्य, वहीं नहाएंगे दलित-पिछड़े, मां की गोद में कौन VIP

प्रयागराज। ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि आज हमसे कहा गया कि यहां पर वीआईपी घाट हैं। मां की गोद में कौन वीआईपी होता है? हमारे

धर्म के अनुसार वीआईपी घाट नहीं हो सकता है। उसी घाट पर शंकराचार्य जी नहाते हैं और उसी पर दलित और पिछड़े भी। कोई किसी से जात पूछता है क्या? शुक्रवार को एक चौनल से बात करते हुए शंकराचार्य ने व्यवस्थाओं पर नाराजगी जाहिर की। इसके अलावा शंकराचार्य के शिविर में आयोजित परम धर्म संसद में भी कई प्रस्ताव पारित किए गए। शंकराचार्य ने कहा कि प्रथम स्नान पर्व से पहले संगम पर गंगाजल की जांच कराकर सरकार को बताना चाहिए कि गंगा में डुबकी के लिए मिलने वाला जल निर्मल है। मेला क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चित्र नालियों के पास रखने पर भी आपत्ति जताई गई। मेला 13 जनवरी से प्रारंभ हो रहा है। मेले की बसावट की व्यवस्थाएं बहुत धीमी गति से चल रही हैं। व्यवस्थाएं समय पर होने पर ही मेले की महत्ता एवं गरिमा स्थापित हो सकेगी और श्रद्धालुओं को भी असुविधाजनक स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। शंकराचार्य ने कहा कि साइनेज एवं होर्डिंग में कुंभ मेले का वर्ष ईस्वी सन 2025 का उल्लेख किया गया है, उसके स्थान पर हिंदी विक्रम संवत 2081 किया जाना चाहिए। इससे पहले अग्नि अखाड़ा के सभापति मुक्तानंद ने दीप प्रज्ज्वलित कर परम धर्म संसद का उद्घाटन किया।

जूना अखाड़े के संतों और ठेकेदारों में मारपीट

प्रयागराज ।महाकुम्भ के पहले स्नान पर्व के ठीक पहले मेला क्षेत्र में संतों और ठेकेदारों में जमकर मारपीट हुई। बहस बढ़ी तो ठेकेदारों ने संतों को पीट दिया। दो संत गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे नाराज संतों ने मेला क्षेत्र सेक्टर 20 में चक्काजाम कर दिया। नाराज संतों को प्रशासन मनाने में जुटा रहा। मेला क्षेत्र में संस्थाओं को जल निगम की ओर से नल की टोटियां तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। जूना अखाड़े के संत मेघानंद जब वार्ता के लिए सेक्टर 20 के कार्यालय में पहुंचे तो जल निगम के ठेकेदारों से बहस हो गई है। जिस पर धक्का–मुक्की हुई और मारपीट बढ़ी तो मेघानंद घायल हो गए। उनके हाथ में फ्रेक्चर हो गया। उन्होंने फोन कर साथी इंद्रानंद को बुलाया तो ठेकेदार और उग्र हो गए। उन्होंने इंद्रानंद को भी पीटा, उनके भी हाथ में फ्रेक्चर हो गया और कूल्हे में भी चोट आई। जानकारी होने पर जूना अखाड़े के साधु–संत मौके पर पहुंचे और वहीं जाम लगा दिया। जल निगम के ठेकेदारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए की मांग पर अड़े रहे। धरने पर बैठे रहे।

मूरतगंज में प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुम्भ के मद्देनजर मूरतगंज जीटीरोड पर दुकानदारों व वाहन चालकों द्वारा किए गए अतिक्रमण को शनिवार को अभियान चलाकर हटवाया गया। इस दौरान कई दुकानदारों का चालान करते हुए वाहनों को सीज किया गया। यह कार्रवाई चायल एसडीएम, सीओ व नगर पालिका के ईओ ने संयुक्त रूप से किया। महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज जाने वाले प्रमुख मार्गो को डीएम मधुसूदन हुल्गी ने अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया है। उनके निर्देश के क्रम में शनिवार को एसडीएम चायल योगेश कुमार गौड़, सीओ सत्येंद्र तिवारी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका भरवारी राम सिंह दलबल के साथ मूरतगंज बाजार पहुंचे। इस दौरान दुकानदारों द्वारा जीटी रोड पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर से हटवाया गया। जिन दुकानों का अतिक्रमण पहले हटवाया गया था और उन्होंने दोबारा कर लिया था उनका चालान भी किया गया। इतना ही नहीं बाजार में बेतरतीब खड़े वाहनों को पुलिस प्रशासन ने संदीपन घाट थाने में ले जाकर सीज करा दिया। पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई से दुकानदारों व अपे–विक्रम चालकों में दिनभर हड़कम्प मचा रहा। एसडीएम व सीओ ने सभी दुकानदारों को हिदायत दी कि दोबारा रोड पर अतिक्रमण नहीं करेंगे। मौके पर थानाध्यक्ष संदीपन घाट विजेंद्र सिंह सहित नगर पालिका के लिपिक बबलू गौतम समेत भारी संख्या में पुलिस बल व नगर पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

15 साल से लंबित अनुशासनात्मक कार्यवाही रद्द, चार माह में करना होगा भुगतान

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर्मचारी के खिलाफ 15 साल से लंबित अनुशासनात्मक कार्यवाही रद्द कर दी। साथ ही सेवानिवृत्ति की तिथि 31 दिसंबर 2009 से बकाया राशि का भुगतान छह प्रतिशत ब्याज संग करने का निर्देश दिया है। चार माह में भुगतान नहीं किया तो 12 प्रतिशत ब्याज की दर भुगतान करना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने राम बलि राम की याचिका पर दिया। गाजीपुर निवासी राम बलि राम ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। 31 दिसंबर 2009 को वह सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन उनके खिलाफ लंबित जांच के कारण उन्हें 29 दिसंबर 2009 को निलंबित कर दिया गया था। सेवानिवृत्ति लाभ भी रोक दिया गया। साथ ही 2009 में आरोप पत्र जारी किया गया और अनुशासनात्मक कार्यवाही 15 साल से लंबित थी। याचिकाकर्ता ने सेवानिवृत्त बकाया राशि के भुगतान और अनुशासनात्मक कार्यवाही को रद्द करने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने पाया कि गाजीपुर के जिला पंचायत राज अधिकारी अपने व्यक्तिगत हलफनामे में अनुशासनात्मक कार्यवाही समाप्त होने में 15 वर्ष की देरी का उचित जवाब नहीं दे सके। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जिक्रकर कहा कि एक कर्मचारी अपने खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के शीघ्र निपटान का हकदार है।

नाबालिग को साध्वी बनाने वाले महंत कौशल गिरि जूना अखाड़े से निष्कासित, बच्ची को भेजा गया घर

प्रयागराज। महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व से पहले आगरा की 13 वर्ष की नाबालिग को साध्वी बनाकर दान के रूप में प्राप्त करने वाले जूना अखाड़े के महंत कौशल गिरि को सात साल के लिए अखाड़े से निष्कासित कर दिया गया है। शुक्रवार को रमता

पंच की मौजूदगी में अखाड़े के शीर्ष पदाधिकारियों की पंचायत में यह निर्णय लिया गया। इसी के साथ साध्वी बनाई गई बालिका को घर भेजा दिया गया। पौष पूर्णिमा पर 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ में देशभर से साधु–संतों के पहुंचने का सिलसिला तेज हो गया है। अखाड़े अपनी छावनियों में राजसी ठाटबाट के साथ प्रवेश कर चुके हैं। इसके बीच में एक हैरान करने वाले घटनाक्रम ने देश–दुनिया से यहां आने वाले संतों–भक्तों का ध्यान खींचा है। जूना अखाड़े के महंत कौशल गिरि ने आगरा के रहने वाले एक परिवार की 13 वर्षीय बेटी राखी को दान के रूप में प्राप्त करने का दावा करते हुए उसे साध्वी बना लिया था। जूना अखाड़े में बालिका साध्वी की वेशभूषा में नजर आई थी। तब कहा जा रहा था कि संन्यासिनी की दीक्षा दिलाने के बाद महाकुंभ में धर्मध्वजा पर संस्कार कराया जाएगा। इसके बाद परंपरा के अनुसार बालिका के जीते जी पिंडदान कराने की भी घोषणा की गई। कौशल गिरि का कहना था कि इसके बाद वह सांसारिक जीवन त्याग कर पूरी तरह संन्यासिनी जीवन में प्रवेश कर लेगी और उसका नाम साध्वी गौरी रखा गया था।

श्रद्धालुओं के साथ अच्छे बर्ताव की दी गई टिप्स

गंगापार। तीर्थराज प्रयागराज में लगने वाले महाकुम्भ मेले पर आतंकियों की धमकी के बाद सरकार के साथ ही पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से सख्त है। महाकुम्भ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत ना हो, इस पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। शनिवार को नवाबगंज नो एंट्री पॉइंट पर अर्धसैनिक बलों के जवानों एवं पुलिसकर्मियों को इंस्पेक्टर नवाबगंज अनिल कुमार मिश्र ने महाकुम्भ मेला आने जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ अच्छे व्यवहार के साथ पेश आने की टिप्स दी। इस दौरान बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बल व पुलिस प्रशासन के जिम्मेदार लोग रहे।

प्रयागराज एयरपोर्ट से दो फ्लाइट रात में भरी उड़ान

प्रयागराज, । महाकुम्भ के श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुक्रवार से विभिन्न विमान कंपनियों ने अपनी सेवाओं का विस्तार किया। शुक्रवार को कुल 2060 यात्रियों ने प्रयागराज एयरपोर्ट से आवाजाही की। इनमें से 1093 यात्रियों ने प्रयागराज से उड़ान भरी, जबकि 963 यात्री यहां पहुंचे। शुक्रवार को एलाइंस एयर की गुवाहाटी–कोलकाता–प्रयागराज और जयपुर–दिल्ली–प्रयागराज उड़ान शाम 7रू30 बजे के बाद यहां पहुंचीं। इसके बाद एलाइंस एयर की भुवनेश्वर फ्लाइट ने रात 8रू08 बजे और दिल्ली फ्लाइट ने रात 8रू28 बजे प्रयागराज से उड़ान भरी। इन दोनों विमानों से कुल 196 यात्रियों ने सफर किया। रात्रिकालीन सेवाएं शुरू करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। भारतीय वायुसेना की ओर से महाकुम्भ मेले की अवधि के लिए 24 घंटे एयर ट्रैफिक कंट्रोल और इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की सुविधा दिए जाने के बाद यह संभव हो पाया। इसके साथ ही एलाइंस एयर ने महाकुम्भ के लिए अतिरिक्त विमानों का संचालन भी शुरू कर दिया है। शुक्रवार को प्रयागराज एयरपोर्ट से इंडिगो की पांच उड़ानें, एलाइंस एयर की दो उड़ानें, और अकासा एयर की एक उड़ान संचालित हुईं। इनसे कुल 2060 यात्रियों की आवाजाही हुई।

ट्रेन में मोबाइल चोरी करके बैंक खाता किया खाली

प्रयागराज, । ट्रेनों में साइबर ठगी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ट्रेनों में सक्रिय साइबर ठग मोबाइल चोरी करने के बाद यात्री का बैंक खाता भी खाली कर रहे हैं। मुंबई के लालचंद्र अर्जुन प्रसाद शर्मा ने मोबाइल चोरी और साइबर अपराध का प्रयागराज जीआरपी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को बताया कि वह मुंबई में रहते हैं। कुछ दिन पहले चाची का देहांत होने पर परिवार के साथ जौनपुर आए थे। मुंबई के लिए छिवकी रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ी। बनारस–एलटीटी ट्रेन से वह यात्रा कर रहे थे। इस बीच ट्रेन में वह सो गए। किसी ने उनका मोबाइल गायब कर दिया। थोड़ी देर बाद मोबाइल स्वीच ऑफ हो गया। वह परेशान हो गए। मुंबई पहुंचने के बाद पता चला कि उनका मोबाइल चोरी करने के बाद ऑनलाइन उनके बैंक खाते से 63 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चिकित्सकों की आत्मीय बर्ताव से पैदा होती है रोगियों में आत्मविश्वास ःसिकंदर बाशा

ताडेपल्लीगुडेम । स्थानीय 11वें अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश शेख सिकंदर बाशा ने प्रभावी डॉक्टर–रोगी संबंध के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि चिकित्सकों की आत्मीय बर्ताव रोगियों में आत्मविश्वास पैदा करती है। उन्होंने रोगियों के दर्द को धैर्य के साथ सुनने और उपचार के महत्वपूर्ण पहलुओं के रूप में उनकी चिंताओं को समझने के महत्व पर जोर दिया। वे बतौर मुख्य अतिथि एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रथम वर्ष के बीएचएमएस छात्रों के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।इन छात्रों ने एनईईटी परीक्षा के माध्यम से सीट प्राप्त करने में सफलता हासिल की। न्यायाधीश शेख सिकंदर बाशा ने छात्रों को उनके चिकित्सा करियर में इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह को चिकित्सा पेशे की आधारशिला बताया, जो अपने रोगियों के प्रति चिकित्सा पेशेवरों की जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि डॉक्टर के रूप में वे इन गुणों को अपनाएंगे और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस कार्यक्रम में ताडेपल्लीगुडेम के पुलिस उपाधीक्षक डी. विश्वनाथ ने छात्रों को चिकित्सा पेशे के विकसित परिदृश्य के अनुकूल होने, नई प्रगति को अपनाने और निरंतर विकास के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की सलाह दी। उन्होंने विभिन्न बीमारियों के इलाज में होम्योपैथिक दवा की प्रभावशीलता को स्वीकार किया और छात्रों से अपने माता–पिता की आकांक्षाओं को पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने उन्हें चिकित्सा पेशे से जुड़े उच्च सम्मान और जिम्मेदारी की याद दिलाई। ताडेपल्लीगुडेम एरिया अस्पताल के आरएमओ डॉ. के. संबाशिव राव ने छात्रों को पढ़ाई के प्रति समर्पित होने, अपनी आजादी का जिम्मेदारी से उपयोग करने और मोबाइल फोन का विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कॉलेज की शोध पहल की सराहना की और होम्योपैथी में शोध की व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. यू.एस. वी. प्रसाद ने अपने स्वागत भाषण में कॉलेज की पांच साल की यात्रा पर प्रकाश डाला और विश्वविद्यालय रैंक हासिल करने में छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने गर्व के साथ घोषणा की कि 2024 की एनटीआर यूनिवर्सिटी की अंतिम वर्ष की परीक्षाओं में शीर्ष दस रैंक में से आठ एएसआर छात्रों ने हासिल की हैं, साथ ही दूसरे और तीसरे वर्ष की अंतिम परीक्षाओं में भी रैंक हासिल की है। उन्होंने छात्रों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने और अनुसंधान–उन्मुख वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रबंधन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने सभा को संबोधित करते हुए छात्रों के बीच शोध को बढ़ावा देने और रचनात्मकता और शोध योग्यता का पोषण करने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने गर्व के साथ साझा किया कि केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के छात्र अनुसंधान छात्रवृत्ति कार्यक्रम एसटीएसएच के लिए देश भर में प्रस्तुत 1686 शोध प्रस्तावों में से 116 को मंजूरी दी गई, जिनमें से सात एएसआर छात्रों के थे। उन्होंने एनटीआर विश्वविद्यालय के भीतर आयुष विभाग में यूजीआरएस अनुसंधान परियोजना के तहत 28 अनुमोदित प्रस्तावों में से 13 को हासिल करने में एएसआर छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धि का भी उल्लेख किया। केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक डॉ. बी. राज कुमार ने होम्योपैथी की महत्वपूर्ण प्रगति और अनुसंधान में अग्रणी स्थिति के बारे में बात की, विभिन्न रोगों के उपचार में इसकी क्षमता पर जोर दिया। समारोह के दौरान, नए मेडिकल छात्रों को अतिथियों द्वारा सफेद कोट और स्टेथोस्कोप भेंट किए गए। छात्रों ने अतिथियों और शिक्षकों की उपस्थिति में हिप्पोक्रेटिक और हैनीमैनियन शपथ ली। विश्वविद्यालय रैंक हासिल करने वाले छात्रों और राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय शोधा परियोजनाओं के लिए चुने गए छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पिछले सप्ताह आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। इस अवसर पर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. जयपाल राव को सम्मानित किया गया। समारोह में प्रोफेसर डॉ. वी.टी. वेंकटेश्वर राव, संकाय सदस्य, मेडिकल छात्र, नए छात्रों के माता–पिता और एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के कर्मचारी और प्रबंधकीय सदस्य शामिल हुए।

'सीएमपी महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित हुआ डॉक्टर आर पी मेमोरियल व्याख्यान'

प्रयागराज । सीएमपी महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग एवं आई आई सी के संयुक्त तत्वाधान में आज डॉक्टर आर पी मेमोरियल व्याख्यान आज संपन्न हुआस वक्ता के रूप में डॉ सौरभ पांडेय को–फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर डाटाबम स्वीटजरलैंड ने ष 'वनस्पति विज्ञान के साथ वैश्विक व्यापार का निर्माण' ष विषय पर विस्तृत चर्चा की स कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत व कार्यक्रम का संक्षिप्त चर्चा देत किया । साथ ही साथ उन्होंने अतिथि डॉ सौरभ पांडे का विस्तृत परिचय कराया ।चीफ गेस्ट डॉ सौरभ पांडे

व प्रोग्राम की चेयरपर्सन प्रोफेसर हरिवंश कौर खेरी को विभागाध्यक्ष डॉ सरिता श्रीवस्तव व प्रोफेसर डी के चौहान द्वारा भेंट के रूप में पौधे देकर स्वागत किया गया । प्रोफेसर अमिता पांडे ने डॉक्टर राजेश्वर प्रसाद के व्यक्तित्व का परिचय व योगदान देते हुए बताया कि यह आयोजन प्रत्येक वर्ष डॉक्टर आर पी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया जाता है द्य यह भी बताया कि वनस्पति विज्ञान में परा स्नातक में प्रथम स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाता है, व मेडल प्रदान किया जाता हैस विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरिता श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि व प्रवक्ता डॉक्टर सौरभ पांडे डाटाबम, स्वीटजरलैंड का संक्षिप्त परिचय कराते हुए उनके योगदान के बारे में परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ आलोक कुमार सिंह ने बताया कि विभाग को विशिष्ट पहचान दिलाने में डॉक्टर राजेश्वर प्रसाद की अहम भूमिका रही है ।अतिथि सौरभ पांडेय ने बताया कि किस प्रकार से वैज्ञानिक तकनिकियो को कृषि हेतु प्रयोग में लाया जा सकता है और किन किन मूलभूत डाटा का ध्यान रखा जाना चाहिए ।कार्यक्रम के चेयरपर्सन डॉक्टर हरिवंश कौर केहरी ने कार्यक्रम को सारांशित किया वह अपने विचार प्रस्तुत किया कार्यक्रम के अतिथि व भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डी के चौहान ने भी अपने विचारों को रखा ।कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर रही लेखिका मंजुलिका लक्ष्मी ने भी अपने विचार साझा किया व छात्रों को आशीर्वाद दिया । कार्यक्रम के अतिथि सर्वार्थ कंचन ने अपने विचार प्रस्तुत किया व छात्रों को जीवन के मूलभूत पहलुओं से रूबरू कराया ।कार्यक्रम के अंत में डॉ विजय प्रताप सिंहने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया कार्यक्रम के दौरान , डॉ मंजु श्रीवास्तव, डॉ मीना राय,डॉ संजय सिंह ,डॉक्टर अमिता पांडे, डॉक्टर कीर्ति राजे सिंह, डॉ यशवंत कुमार डॉक्टर, डॉ अविनाश सिंह, डॉ पल्लवी राय, डॉ अनीता सिंह तथा विभिन्न विभागों के प्रोफेसर और छात्र कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे ।

महाकुंभ के लिए टैक्स मुक्तहुआ अंधियारी टोल प्लाजा, बिना रोकटोक गुजर रहीं गाड़ियां

प्रयागराज। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं बड़ी राहत दी है। प्रयागराज–रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर अंधियारी टोल प्लाजा को तीर्थ यात्रियों के लिए 28 फरवरी तक टोल टैक्स मुक्त कर दिया है। शुक्रवार आधी रात से अंधियारी टोल बूथ से गाड़ियां बिना रोकटोक फर्राटा भर रही हैं। टोल प्लाजा के अफसरों के अनुसार निर्माण कार्य पूरा न होने की वजह से कर वसूली बंद की गई है। इधर, सूत्रों का कहना है कि शासन ने महाकुंभ के लिए आदेश जारी कर दिया गया है। प्रयागराज–रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर लालगोपालगंज के आगे अंधियारी टोल प्लाजा है। इस मार्ग से हजारों वाहन प्रयागराज व वाराणसी की ओर आते–जाते हैं। महाकुंभ के लिए जिले की सीमा से सटे सात टोल प्लाजा को करमुक्त करने की प्रक्रिया चल रही थी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से 'खुली' निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** वमई/प्रथम/वाराणसी कार्यक्षेत्र के गोरखपुर छावनी–भटनी अनुभाग में तथा अन्य लोकेशनों पर पीक्यूआरएस मशीन द्वारा सीटीआर/पी का कार्य।; **ई–निविदा सूचना सं.:** एनईआर–बीएसबी–2024–163; **अनुमानित लागत (₹):** 4,19,08,282/-; **बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि)(₹):** 3,59,600/-; **निविदा बंद होने की तिथि:** 05.02.2025; **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि:** 12 माह। • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2024–163 दिनांक 05.02.2025 को 14:30 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबंधक/(इंजी०)

गुजाधि/डब्ल्यू–366 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, रानीपेट में विश्व हिन्दी दिवस पर सम्मान

वेल्लोर । भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, रानीपेट में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर 10 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में कर्मचारियों के बीच उपहार बाँट कर और प्रशस्ति पत्र देकर श्राजभाषा गौरव सम्मानश से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पत्र उन कर्मचारियों को दी गई जो सितम्बर–2024 में षहिन्दी पखवाड़ा–2024ष के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विजेता घोषित किए गए थे। यह परिणाम नवम्बर माह में उप प्रबंधक सह राजभाषा अधिकारी श्री एस. एन. पाल के हस्ताक्षर से जारी की गई थी। प्रशस्ति पत्र संस्थान के कार्यकारी निदेशक श्री अरुण मोली देवन जी के द्वारा दी गई । इस कार्यक्रम में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, रानीपेट के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुरुआत में कार्यकारी निदेशक महोदय का अपर उप–महाप्रबंधक श्री टी. एस. बालाजी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। राजभाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजभाषा पखवाड़ा के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित की गई। निबंध लेखन प्रतियोगिता दो वर्गों में थी। श्समूह–कश हिन्दी भाषी कर्मचारियों के लिए थी जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त किया श्री ऋषभ नामा ने और द्वितीय, तृतीय पुरस्कार और प्रशंसा पुरस्कार के लिए क्रमशः दीपक कुमार, प्रभात कुमार और रानू प्रसाद विजेता घोषित किए गए। वहीं श्समूह–खश जो हिंदीतर भाषी कर्मचारियों के लिए थी उसमें सुभांकर ढल, ऋषि प्रसाद मोहंती, भक्तराम बेहेरा और सी विश्वनाथ अखिल प्रथम, द्वितीय, तृतीय और प्रशंसा पुरस्कार के विजेता बने। एक अन्य प्रतियोगिता हिन्दी शब्दावली, टिप्पणी एवं अनुवाद प्रतियोगिता (हिन्दी भाषी) में भी श्री ऋषभ नामा ने प्रथम स्थान पर बाजी मारी। वहीं द्वितीय, तृतीय स्थान और प्रशंसा पुरस्कार के विजेता क्रमशः सन्नी, शुक्रेश्वर साह और प्रभात कुमार रहे। इसी प्रतियोगिता के हिन्दीतर भाषी कर्मचारियों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और प्रशंसा के लिए भक्तराम बेहेरा, नर्रा गिरी बाबू, श्रीशैलम शिवा तेज और सुभांकर ढल विजेता रहे। हिन्दी सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के हिन्दी भाषी संवर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान और प्रशंसा पुरस्कार के विजेता क्रमशः नरोत्तम कुमार, दिनेश कुमार सिन्हा, नीरज कुमार और मनीष कुमार रहे। इसी प्रतियोगिता के हिन्दीतर भाषी कर्मचारियों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और प्रशंसा के लिए ऋषि प्रसाद मोहंती, सी. विश्वनाथ अखिल, सारी टी. एस. और के. गणेश बाबू विजेता रहे। संस्थान के प्रबंधक श्री एस. पी. राव के संचालन में यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। अंत में राजभाषा अधिकारी सह उप–प्रबंधक श्री एस. एन. पाल और उप अधिकारी श्री राकेश गौतम ने धन्यवाद अर्पित किया। संस्थान के अधिकारियों ने प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित किया। संस्थान के कर्मचारी श्री राज ऋषभ सिंकु और श्री प्रवीण कुमार ने ऋषभ नामा सहित अन्य विजेताओं को बधाई दिया।

शिक्षा के साथ अपने हुनर को भी लोकजीवन के अभियान से जोड़ेंःअशोक

करछना। अपनी समझ,बोझ और ज्ञान को विकसित करने हेतु शिक्षा हमारे जीवन में निश्चित रूप से बहुत ही आवश्यक है।किन्तु इसके साथ–साथ अपने भीतर की विशेष प्रतिभा और हुनर को भी अपने लोकजीवन के अभियान से जोड़े रखना जरूरी है। कभी–कभी कुछ विशेष गतिविधियों और परिस्थितिजन्य समस्याओं के चलते हमें इसके साथ कई समझौते भी करने पड़ते हैं फिर भी संघर्षों के बीच हुनर की संजीदगी को संवारते रहना जरूरी है। हमें आर्थिक आय,रोजी–रोटी और रोजगार से जोड़ने वाली शिक्षा,जीवन का एक अलग पक्ष है और अपनी प्रतिभा,हुनर के चलते जीवन के कलात्मक पक्ष को लेकर लोगों के बीच ख्याति और प्रशंसा प्राप्त करना एक,दूसरा पक्ष है। इससे समाज के बीच एक विशेष पहचान बनती है।यही हुनर हमें भावभावना,

राग– रंग,कला, विचार,उल्लास,हास–परिहास

लोक– संस्कृति,संस्कार,परम्परा का संवाहक बनकर हमारे समाज को तार–तार जोड़ता है। यह बातें चर्चित और आकाशवाणी,दूरदर्शन से जुड़े हुए वरिष्ठ हास्य कवि,कलाकार अशोक सिंह बेशर्मिणी कट का स्थिति की अमावस्या कान्वेंट स्कूल में एक कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और बच्चों के बीच कही। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने दिनों बाद इस बदलते परिवेश में जहां मीडिया का नया युग हमें एक नई सदी और दुनिया से जोड़ रहा है इसके बीच विभिन्न क्षेत्रों में अपने हुनर और प्रतिभा को मिशन बनाकर आगे बढ़ने वाले कई युवा अच्छी आय के साथ–साथ अपना ग्लैमर भी बना रहे हैं। खेल,कला,

गायन,वादन,संगीत,दस्तकारी,जादू चित्रकला समेत कई क्षेत्रों में आगे बढ़ कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले बच्चे आज अच्छी आय कमाने के साथ उपलब्धि और ख्याति अर्जित कर रहे हैं। अभिभावकों और शिक्षकों को भी चाहिए कि बच्चों में छुपी विशेष प्रतिभाओं को विभिन्न कार्यक्रमों और आयोजनों के अवसर पर बाहर मंच तक लाने में उन्हें प्रसंशा एवं आत्मबल प्रदान कर मन से तैयार करें । शिक्षकों ने भी बच्चों के अंदर छुपी ऐसी विशेष प्रतिभाओं को तरासने का संकल्प लिया। प्रबंधक राजू अवस्थी ने कहा कि निश्चित रूप से आज बढ़ती बेरोजगारी के बीच बच्चों के भीतर छुपी ऐसी प्रतिभा को और भी अधिक विकसित होने पर वह आय का स्रोत बनने के साथ–साथ समाज और देश में उन्हें एक नई पहचान से जोड़ेगी।

शिक्षा के साथ हमें ऐसे हुनरमंद बच्चों को विशेष क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।इस मौके पर शिक्षक अभिभावक और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

डिजिटल कुम्भ अनुभूति केन्द्र में गंगानाथ झा परिसर द्वारा प्रस्तुतीकरण

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के अवसर पर मेला क्षेत्र में डिजिटल कुम्भ अनुभूति केन्द्र की सामग्री के निरीक्षण एवं संशोधन हेतु समिति का गठन प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा किया गया। प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता वाली समिति ने डिजिटल कुम्भ अनुभूति केन्द्र की स्थापना में समिति के सदस्यों प्रो. सुनील कान्त मिश्र, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रो. उमेश प्रताप सिंह, ई.सी.सी. , डॉ. पूर्णेन्दु मिश्र, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, डॉ. मीनाक्षी जोशी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, श्री प्रमोद द्विवेदी, एम.एन.एन.आई.टी. के साथ ही साथ गंगानाथ झा परिसर के अन्य अध्यापकों प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. मनोज कुमार मिश्र एवं प्रो. अपराजिता मिश्र ने सहयोग एवं सुझाव प्रस्तुत किये। डिजिटल कुम्भ अनुभूति केन्द्र में दिखाये जाने वाली सामग्री को शास्त्र सम्मत बनाये रखने में समिति के सभी सदस्यों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रकार प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ2025 को दिव्य एवं भव्य बनाने में यह केन्द्र डिजिटल कुम्भ की अवधारणा को साकार कर रहा है। महाकुम्भ में "बड़े हनुमान जी मन्दिर" के समक्ष स्थित इस डिजिटल महाकुम्भ अनुभूति केन्द्र शिविर में कुम्भ के शास्त्रीय पक्षों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है। परिसर के अध्यापकों डॉ. पंकज शर्मा एवं श्री अंकित मिश्र द्वारा डिजिटल कुम्भ अनुभूति केन्द्र में माननीय आदित्यनाथ योगी, मुख्यमंत्री, उ.प्र. के समक्ष प्रस्तुतीकरण भी किया गया। उक्त जानकारी उपलब्ध कराते हुये परिसर के मीडिया प्रभारी राजेशकान्त तिवारी ने बताया कि गंगानाथ झा परिसर महाकुम्भ 2025 में निरन्तर सक्रिय योगदान देते हुये ज्ञानमहाकुम्भ के आयोजन में भी सहयोग कर रहा है। राजेशकान्त तिवारी, मीडिया प्रभारी, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज।

सूर्य नमस्कार दिवस का हुआ आयोजन

प्रयागराज। एस एस खन्ना महिला महाविद्यालय में दिनांक 11 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानंद के जयंती पर सूर्य नमस्कार दिवस का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन महाविद्यालय की प्रचार्या प्रो.लालिमा सिंह ने स्वामी विवेकानंद जी

के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और कहा कि स्वामी जी भारतीय इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली व्यक्तित्व में से एक थे उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था कि संघर्ष जितना बड़ा होगा जीत उतनी ही शानदार होगी जो आज के समय में अत्यंत आवश्यक है। बी.एड. संकाय की कोऑर्डिनेटर प्रो. मंजरी शुक्ला जी ने कहा कि, इस महान व्यक्तित्व के चरित्र का यदि एक छोटा सा अंश अपना ले तो हमें सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। और हमें प्रतिदिन योगासन एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास अपने जीवन में अपनाना चाहिए जिससे हमारा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहे । योगाचार्य डॉ प्रशांत तिवारी ने सभी छात्राओं को सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया और उसके लाभ भी बताएं। इस अवसर पर महाविद्यालय के बी.एड, बी ए एल.एल बी, कॉमर्स, बीए, बी.एस.सी, सभी संकाय के छात्राओं ने भाग लिए और इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे ।

विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में जौनपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न।

जौनपुर । शहर समता विचार मंच जौनपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन में तथा अर्चना चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ सुमन सिंह एवं विशिष्ट अतिथि डॉ पूनम श्रीवास्तव एवं डॉ सुषमा मिश्रा रहीं। यह काव्य गोष्ठी शाम 4 बजे से 5.30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान द्वारा दीप प्रज्वलन और वाणी की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डॉ मधु पाठक घ्द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी महिला रचनाकारों ने अपनी सुंदर रचनाओं की

प्रस्तुति द्वारा आयोजन को सुंदर और सफल बनाया। जिसमें डॉ सुषमा मिश्रा ने श्विरह वेदना की श, डॉ पूनम श्रीवास्तव ने श्मंदोदरीश, डॉ सुमन सिंह ने श्गुलमोहरश, डॉ रीना श्रीवास्तव ने श्हिन्दी देश का हृदयश, डॉ रेनू राय ने श्जो चुपके सेश, चेतना प्रकाश ने श्गुरुश, डॉ मधु पाठक ने श्ऐ भारत की संतान सुनो श, रचना पढ़ी। धन्यवाद ज्ञापनद्द डॉ रीना श्रीवास्तव ने किया।

आतंकी धमकी के बाद मेला क्षेत्र से उठाए गए 550 संदिग्ध, आतंकी पन्नू की धमकी के बाद पुलिस सतर्क

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए खुफिया एजेंसियां सतर्क हैं। आतंकी पन्नू की धमकी, संदिग्ध विदेशी और इंस्टाग्राम से धमकी मिलने के बाद एलआईयू, आईबी समेत अन्य खुफिया एजेंसियां मेला क्षेत्र में आने वाले हर किसी पर निगरानी रख रही हैं। पिछले 15 दिन के भीतर पुलिस

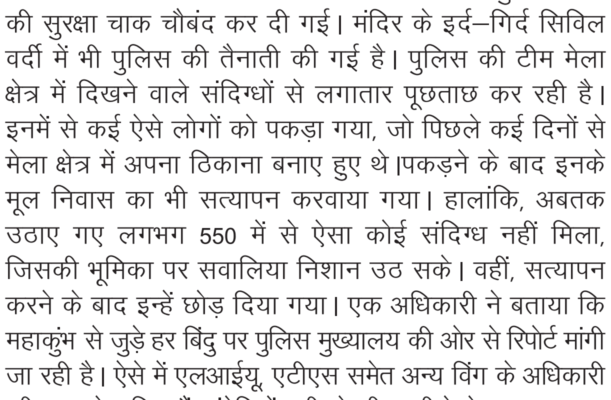

ने 550 से अधिक संदिग्धों को उठाकर पूछताछ की है। मेला क्षेत्र स्थित महावीर थाना प्रभारी मिथिलेश उपाध्याय ने बताया कि आतंकी धमकी मिलने के बाद से ही मेला क्षेत्र और हनुमान मंदिर की सुरक्षा चाक चौबंद कर दी गई। मंदिर के इर्द–गिर्द सिविल वर्दी में भी पुलिस की तैनाती की गई है। पुलिस की टीम मेला क्षेत्र में दिखने वाले संदिग्धों से लगातार पूछताछ कर रही है। इनमें से कई ऐसे लोगों को पकड़ा गया, जो पिछले कई दिनों से मेला क्षेत्र में अपना ठिकाना बनाए हुए थे।पकड़ने के बाद इनके मूल निवास का भी सत्यापन करवाया गया। हालांकि, अबतक उठाए गए लगभग 550 में से ऐसा कोई संदिग्ध नहीं मिला, जिसकी भूमिका पर सवालिया निशान उठ सके। वहीं, सत्यापन करने के बाद इन्हें छोड़ दिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि महाकुंभ से जुड़े हर बिंदु पर पुलिस मुख्यालय की ओर से रिपोर्ट मांगी जा रही है। ऐसे में एलआईयू, एटीएस समेत अन्य विंग के अधिकारी पूरी तरह से सक्रिय हैं। इंटेलिजेंस भी गोपनीय तरीके से अलग–अलग इलाकों की टोह लेने में जुट गई है। स्नान घाटों, शिविरों और मुख्य कार्यक्रम स्थलों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा चेक प्वाइंट्स पर हर व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है।

सम्पादकीय........

झूठ को बढ़ावा

संयुक्त राज्य अमेरिका में निरंकुश व दक्षिणपंथी रुझान के अगुवा डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से पहले की जा रही उग्र बयानबाजी से पूरी दुनिया में हलचल है। अब चाहे कनाडा को अमेरिका में मिलाने का उनका दावा हो या ग्रीनलैंड व पनामा नहर पर प्रभुत्व का बयान। लेकिन शेष दुनिया के लिये चिंता की बात यह है कि निष्पक्ष वैचारिक स्वतंत्रता के पक्षधर होने का दावा कर रहे अमेरिका संचालित बहुचर्चित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी ट्रंप के निरंकुश व्यवहार से गहरे तक प्रभावित हो रहे हैं। लंबे समय तक ट्रंप से वैचारिक टकराव मोल लेने वाले अमेरिका से संचालित मेटा ने ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले अपनी नीति में बड़ा बदलाव किया है। मेटा ने अपने उस तथ्य जांच कार्यक्रम से हाथ खींचने का फैसला किया है जो ऑनलाइन गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। निश्चित रूप से सूचना की विश्वसनीयता के लिये निर्धारित व्यवस्था के खत्म होने से ऑनलाइन झूठ व दुष्प्रचार के खिलाफ वैश्विक अभियान को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया दिग्गज द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले आया है। ट्रंप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रंप आरोप लगाते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी आवाज को सेंसर किया जाता रहा है। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि उनके इस निर्णय की मुख्य प्रेरणा मुक्त अभिव्यक्ति को प्रश्रय देना है। उनकी इस दलील से कतई सहमत नहीं हुआ जा सकता। दरअसल, अमेरिका में दक्षिणपंथी रुझानों वाला ऐसा वर्ग भी है जो सोशल मीडिया पर सूचना सामग्री में किसी भी हस्तक्षेप का विरोध करता है। जिसके चलते फर्जी खबरों के कारण विवादों की श्रृंखला को जन्म मिल सकता है। बहरहाल, आशंका जतायी जा रही है कि तथ्यों की जांच की व्यवस्था समाप्त करने से झूठ और अफवाहों का तंत्र कालांतर कानून व्यवस्था के लिये भी बड़ी चुनौती बन सकता है। जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की सूचनाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठेंगे। मेटा के इस कदम के बाद अन्य सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म भी दबाव में ऐसे कदम उठा सकते हैं। वैसे राष्ट्रपति का पद संभालने जा रहे ट्रंप से खराब रिश्ते सुधारने हेतु मार्क जुकरबर्ग का कदम व्यावसायिक दृष्टि से तो समझ में आ सकता है, लेकिन सोशल मीडिया पर सूचनाओं की दृष्टि से यह एक गैरजिम्मेदार कदम है। जो दुनिया में विश्वसनीयता व सूचना अखंडता के लिये अच्छा संकेत नहीं है। विडंबना ही है कि सूचना सामग्री को मॉडरेट करने के लिये पेशेवर तथ्य-जांचकर्ताओं पर भरोसा करने के बजाय मेटा एक्स के रास्ते पर जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण ही है। पहले जांच-पड़ताल करके दी जाने वाली पोस्ट पाठकों व दर्शकों का भरोसा जगाती थी कि सूचना सामग्री विश्वसनीय है। लेकिन अब इस नियमन में ढील के निहितार्थों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। आशंका है कि अब फेसबुक, इंस्टाग्राम व थ्रेड्स पर गलत सूचनाओं को नियंत्रित करना संभव नहीं हो पाएगा। जिससे ऑनलाइन झूठ को बढ़ावा मिल सकता है। खासकर भारत के संदर्भ में देखें तो नफरत फैलाने वाले भाषण न केवल लोगों तक विश्वसनीय जानकारी की पहुंच को कमजोर कर सकते हैं बल्कि लोगों की राजनीतिक नेताओं का सामना करने की क्षमता को भी कमजोर कर सकते हैं। हम विगत में देखते रहे हैं कि 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' की धारणा लगातार गलत तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करती रही है। इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है। जो सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को खुली छूट देने के नुकसान को ही दर्शाती है। यदि झूठ की जहरीली बाढ़ को कम नहीं किया गया तो इसका समाज पर घातक असर पड़ सकता है। ऐसे में सामाजिक समरसता व शांति के लिये अधिक तथ्य जांचकर्ताओं की आवश्यकता महसूस की जा रही है। निश्चय ही जांच की व्यवस्था न होने का मतलब है शून्य जवाबदेही और झूठ व गलत सूचना फैलाने का खुला निमंत्रण।

नफरत की इंतिहां, कहां गई शीर्ष नेताओं की नसीहतें

राम पुनियानी

अपने गठन के बाद से ही आरएसएस ऐसी अनेक संस्थाओं का निर्माण करता आया है जो हिंदुत्व या हिन्दू राष्ट्रवाद की उसकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। हिंदुत्व की अवधारणा आर्य नस्ल, ब्राह्मणवादी मूल्यों और सिन्धु नदी से लेकर समुद्र तक की भूमि के आर्यावर्त होने पर आधारित है। आरएसएस ने जिन संगठनों और संस्थाओं को जन्म दिया है, उनकी संख्या 100 से ज्यादा है। इसके अलावा अनेक ऐसे संगठन हैं जो भले ही औपचारिक रूप से संघ परिवार के सदस्य न हों, मगर वे उसकी विचारधारा में रचे-बसे हैं। इनमें साधु-संतों के अनेक संगठनों व गौरक्षकों के समूहों सहित ऐसे अनेक गिरोह शामिल हैं जो हिन्दू धर्म के नाम पर हिंसा करने के मौकों की तलाश में रहते हैं। अब ऐसे कई संगठन अस्तित्व में आ चुके हैं जो अत्यंत आक्रामक हैं और जो आरएसएस द्वारा उसके अनुयायियों के लिए निर्धारित लक्ष्मणरेखा को पार करने में तनिक भी संकोच नहीं करते। गौरक्षकों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि-गाय के नाम पर मनुष्यों की हत्या स्वीकार्य नहीं है। उनके इस वक्तव्य के कुछ ही घंटे बाद, इसी मुद्दे पर एक मुसलमान को मौत की घाट उतार दिया गया। इसी तर्ज पर, प्रधानमंत्री ने क्रिसमस की पूर्वसंध्या पर कहा कि प्रेम, सौहार्द और भाईचारा, ईसा मसीह के शिक्षाओं का केन्द्रीय तत्व हैं। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे इन मूल्यों को मजबूती दें। इसके कुछ ही दिन बाद, बजरंग दल के सदस्यों और हिन्दू धर्म के अन्य स्व-नियुक्त ठेकेदारों ने अहमदाबाद में सांता क्लॉज के भेष में उपहार बांट रहे एक व्यक्ति पर हमला किया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दिखाया गया है कि अहमदाबाद के कांकरिया कार्निवल में सांता क्लॉज की वेशभूषा पहने दो लोगों की गुंडों ने जबरदस्त पिटाई की. यह शायद पहली बार है कि सांता क्लॉज का भेष धरे लोगों पर हमले हो रहे हैं। इसके पहले कैरोल गायकों पर हमले हो चुके हैं। भाजपा के सत्ता में आने के बाद से राष्ट्रपति भवन में कैरोल गायन की परंपरा बंद कर दी गई है। बजरंग दल हिन्दुओं को क्रिसमस पार्टियों में भाग न लेने की चेतावनियां जारी कर चुका है। इस बार क्रिसमस पर ये सब हरकतें कुछ कम क्यों हुईं? हाल में हमने हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजने के अभियान का आगाज भी देखा है, जो बाबरी मस्जिद को ढहाए जाने की याद दिलाता है। इस तरह के काल्पनिक दावों के ज्वार के बाद आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने भी कहा कि-हमें हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने के प्रयास बंद करने चाहिए। यह सचमुच आश्चर्यजनक है कि काशी में फव्वारे-जैसे एक ढांचे को शिवलिंग बताया जा रहा है और मस्जिद को मंदिर में बदलने की मांग हो रही है। उत्तरप्रदेश के संभल में ऐसे ही दावों के बाद हिंसा हो चुकी है। शायद इस सबने देश की सबसे बड़ी राजनैतिक संस्था के शीर्ष नेता को झकझोर दिया है या फिर शायद उन्हें यह लग रहा है कि इससे संघ परिवार की छवि खराब होगी। इसलिए उन्होंने एक ऐसा आह्वान किया जो समझदारीपूर्ण लगता है। उन्होंने कहा कि-अयोध्या के राममंदिर का सम्बन्ध आस्था से था और हिन्दू इस मंदिर का निर्माण चाहते थे. मगर सिर्फनफरत के कारण नए स्थानों के बारे में विवाद खड़े करना अस्वीकार्य है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि श्कुछ लोग समझते हैं कि नए विवाद खड़े कर वे हिन्दुओं के नेता बन सकते हैं। इसकी इजाजत कैसे दी जा सकती है। इसके बाद एक चमत्कार हुआ। हिंदुत्व की राजनीति से जुड़े कई संगठनों ने भागवत की इस समझाईश का विरोध किया। हम सब जानते हैं कि आरएसएस में सख्त अनुशासन होता है और उसके सदस्य कभी अपने शीर्ष नेता के आदेशों का उल्लंघन नहीं करते तो फिर यह कैसे हो रहा है कि दर्जनों सेनाएं और धर्म संसदें भागवत की अपील के खिलाफ बात और काम कर रही हैं? इससे भी बड़ी बात यह है कि आरएसएस के अनाधिकारिक मुखपत्र आर्गेनाइजर ने भी अतिवादियों की मांग का समर्थन करते हुए लिखा कि, मंदिरों की पुनर्स्थापना, हमारी पहचान की खोज है। (द टाइम्स ऑफ इंडिया, दिसम्बर 27, 2024)। उसने यह भी लिखा कि मंदिरों की पुनर्स्थापना का उद्देश्य हमारी राष्ट्रीय पहचान स्थापित करना और सभ्यतागत न्याय हासिल करना है। क्या नफरत सचमुच इतनी गहरी है कि अनुयायी अपने नेताओं की बात भी नहीं सुन रहे हैं? या क्या नरेन्द्र मोदी जैसे नेता चाहते हैं कि नफरत भड़काने वाली हरकतें होती रहें क्योंकि इनसे उनकी राजनीति को मजबूती मिलती है? अगर ऐसा नहीं है तो हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या कारण है कि कानून और व्यवस्था बनाये रखने वाली मशीनरी से लेकर कुछ हद तक न्यायपालिका तक का उन तत्वों के प्रति नर्म रुख है जो नफरत फैलाते हैं और हिंसा करते हैं? बाबरी मस्जिद को जमींदोज करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। गाय और गौमांस के नाम पर लिंचिंग करने वाले खुले घूम रहे हैं। लव-जिहाद के नाम पर हत्याएं और हमले करने वालों का बाल भी बांका नहीं हुआ है। जाहिर है कि ऐसे तत्वों को यह पता है कि वे आसानी से कानून तोड़ सकते हैं। वे जानते हैं कि कानून को तोड़मरोड़ कर उनका बचाव किया जाएगा। आर्गेनाइजर द्वारा भागवत का विरोध मन में एक जिज्ञासा पैदा करता है। क्या आरएसएस विभाजित हो गया है? यह कैसे हो रहा है कि भागवत शांति और सौहार्द की बात कर रहे हैं और श्आर्गेनाइजरश के कर्ताधर्ता चाहते हैं कि नफरत और हिंसा की राह पर तेजी से आगे बढ़ा जाए?एक और पहलू को समझने की जरूरत है। जब इस तरह की सोच को राजनैतिक लाभ के लिए बढ़ावा दिया जाता है और इससे चुनावों में फायदा होता है तो शुरुआत में तो नेताओं को खुशी होती है। मगर फिर, जो बीज नेताओं ने बोये होते हैं, उनसे कई नए तत्व ऊग आते हैं और जैसा कि भागवत ने कहा, उनमें से कुछ राजनैतिक पद और प्रभाव हासिल करने की जद्दोजहद में जुट जाते हैं। हम सबको याद है कि किस तरह बाबरी मस्जिद गिराई जा रही थी, वरिष्ठ आरएसएस नेता के. सुदर्शन, जो आगे चल कर आरएसएस के मुखिया बने, मंच पर थे। इस अपराध की किसी को कोई सजा नहीं मिली। बाबरी मस्जिद के ढहाने वालों को निरपराध घोषित कर दिया गया और यह फैसला देने वाले जज को रिटायरमेंट के बाद एक महत्वपूर्ण पद मिला। एक पुरानी कहावत है कि जैसे बोओगे, वैसा काटोगे। बाबरी मस्जिद की पूरी कथा से यह साफ है कि मंदिरों को तोड़ने के झूठे नैरेटिव फैलाने के अलावा, मुसलमानों के बारे में अनेक मिथक भी फैलाए गए, नतीजा हम सबके सामने है। आरएसएस के मुखिया की बात अब उनके ही समर्थक और अनुयायी सुनने को तैयार नहीं हैं।

व्यवस्था की संवेदनहीनता का परिचायक तिरुपति हादसा

आंध्रप्रदेश के विख्यात तिरुपति मंदिर में बुधवार रात मची भगदड़ में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। भगदड़ का कारण वैकुंठ द्वार के दर्शन के लिए टोकन लेने की लंबी कतार थी, जिसमें कई घंटों के इंतजार के बाद श्रद्धालुओं के सब्र का बांध टूटा और हालात बेकाबू हो गए। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के मुताबिक 10 से 19 जनवरी तक वैकुंठ एकादशी पर वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए खोले जाएंगे। इन 10 दिनों में करीब 7 लाख भक्तों के आने की संभावना है। दर्शन के लिए टोकन 9 जनवरी की सुबह 5 बजे से दिए जाने थे। लेकिन बुधवार 8 जनवरी की सुबह से ही टोकन पाने के लिए भक्तों की भीड़ जुटना शुरू हो गयी। टोकन वितरण के लिए कुल 9 केंद्रों में 54 काउन्टर बनाए गए थे। हरेक केंद्र पर भारी भीड़ इकठ्ठा हो रही थी। एक केंद्र में श्रद्धालुओं की कतार तितर बितर हुई तो अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर वहां स्थिति को काबू किया गया। ज्यादा भीड़ को देखते हुए पुलिस ने काउंटर खोले जाने तक लोगों को पास में बने एक पार्क में बैठने को कहा। कुछ ही देर में वो पार्क खचाखच भर गया। पुलिस ने पार्क का गेट बंद कर दिया। शाम 7 बजे के करीब पार्क में दम घुटने के चलते एक महिला बेसुध हो गई। इस महिला के इलाज के लिए उसे पार्क से बाहर निकालने का फैसला किया गया और एक पुलिस अधिकारी के कहने पर पार्क का गेट खोला गया, वहां मौजूद हजारों लोगों को लगा कि टोकन की कतार में भेजने के लिए पार्क का गेट खोला गया है और एक साथ सैकड़ों लोग पार्क के गेट से बाहर निकलने की जद्दोजहद करने लगे इसी दौरान वहां भगदड़ मच गई। जो कई लोगों की मौत का कारण बन गई। तिरुपति में हर वर्ष वैकुंठ एकादशी के अवसर पर ऐसी ही स्थिति होती है। लेकिन इस साल यह एक अनचाही आपदा में बदल गई। ऐसा नहीं है कि किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना है। हिंदुस्तान हर वर्ष ऐसी कई अप्रिय घटनाओं का साक्षी बनता है। अभी पिछले महीने मथुरा में एक कथा आयोजन में भगदड़ हुई थी। इससे पहले जुलाई में हाथरस में नारायण हरि के सत्संग कार्यक्रम में भयंकर भगदड़ हुई थी, जिसमें कम से कम 120 लोगों की मौत हो गई थी। अगस्त में जहानाबाद के बाबा सिद्धनाथ मंदिर में मची भगदड़ में 7 लोगों की जान चली गई थी। तीन साल पहले जनवरी 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में भारी भीड़ के कारण भगदड़ मची और 12 लोगों की मौत हो गई थी। जुलाई 2015 में आंध्रप्रदेश के राजमुंदरी में गोदावरी स्नान के दौरान मची भगदड़ में 27 तीर्थयात्रियों की जान चली गई थी। ऐसी घटनाओं की लंबी फेहरिस्त है। इन घटनाओं में समय, तारीख, स्थान बदले हैं, लेकिन एक बात जो नहीं बदलती कि इन घटनाओं के असल दोषियों को कभी सजा नहीं मिलती, कभी किसी की जिम्मेदारी तय नहीं होती। हालांकि हर घटना के बाद जांच का वादा सरकार करती है। दूसरी बात जो नहीं बदलती कि मरने वाले तमाम श्रद्धालु बेहद सामान्य परिवारों के लोग रहते हैं, इनमें किसी अतिविशिष्ट व्यक्ति का नाम शुमार नहीं होता। अकाल मौत किसी को भी नहीं मिलनी चाहिए, न आम को, न खास को। लेकिन भारत में आम जनता को अकाल मृत्यु के खौफ से निजात नहीं है, खास कर तब जबकि वह आस्तिक हो और अपनी श्रद्धा के मुताबिक धर्मस्थलों में जाए। यूं तो धार्मिक स्थलों में हमेशा ही भीड़ उमड़ती है लेकिन कुछ खास मौकों पर, कुछ खास धार्मिक स्थलों में इतने लोग एक वक्त में इकट्ठे हो जाते हैं कि प्रशासन, प्रबंधन के लिए उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। तमाम असुविधाओं के बावजूद श्रद्धालु अपनी मन्नत पूरी करने, अपनी तकलीफों से राहत की प्रार्थना करने या अपना इहलोक, परलोक सुधारने के लिए धार्मिक स्थलों में, प्रवचन और सत्संगों में पहुंचते हैं। अतिविशिष्ट लोगों को इस असुविधा का सामना कभी-कभार ही करना पड़ता है। क्योंकि उनके लिए विशिष्ट दर्शन, विशिष्ट कीमत पर उपलब्ध होते हैं और उनकी मौजूदगी अन्य लोगों को उस स्थान पर आने के लिए लुभाती भी है। जिस तिरुपति मंदिर में अभी भगदड़ हुई, वहां कुछ दिनों पहले ही अभिनेत्री जाह्नवी कपूर गई थीं और उनकी तस्वीरें तमाम तरह के मीडिया में दिखाई गईं। यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है। तिरुपति, वैष्णो देवी, कामाख्या मंदिर, देवघर स्थान, अजमेर शरीफ ऐसे तमाम धर्मालयों में देश भर के विशिष्ट लोग पहुंचते हैं, जहां उनके लिए विशिष्ट सुविधाएं होती हैं, उन्हें न धक्का-मुक्की से गुजरना पड़ता है, न दर्शन या प्रसाद के लिए लंबी लाइनों में घंटों खड़े रहना पड़ता है। भगवान के दर पर सभी एक समान है, इस वाक्य को देश की वीआईपी संस्कृति पूरी तरह गलत साबित करती है। विशिष्ट लोगों को भी भगवान के आशीर्वाद की जरूरत है।

, इसमें कोई हर्ज नहीं है। लेकिन क्या यह जरूरी है कि उनके लिए एक नियम और आम जनता के लिए दूसरे नियम रहें। क्या भगवान और भक्त के बीच आर्थिक ओहदा मायने रखना चाहिए। ऐसा नहीं है कि पहले दिग्गज हस्तियां धार्मिक स्थानों पर नहीं जाती थीं, लेकिन तब इतना प्रचार-प्रसार नहीं होता था। अब तो आलम यह है कि हर दिन कोई मुख्यमंत्री, कोई नेता, कोई खिलाड़ी, कोई अभिनेता किसी न किसी मंदिर में पूजा-पाठ करने पहुंचता है। उनके पीछे-पीछे मीडिया पहुंचता है कि फलाने ने आज यहां दर्शन किए और लोगों की सुख-समृद्धि की कामना की। जबकि लोगों का जीवन सरकारों की ईमानदार कोशिशों से सुधर सकता है, देश को इसी की अधिक जरूरत है। लेकिन इस समय सरकारों का ध्यान भी धार्मिक कामों को बढ़ावा देने में लगा है। पिछले साल इन्हीं दिनों में मीडिया में राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियों और जजमान बने प्रधानमंत्री मोदी के उपवास की सुर्खियां बनी हुई थीं और इस साल प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ की तैयारियों का शोर है। कितने करोड़ के विलासितापूर्ण शिविर बनाए जा रहे हैं, खान-पान की क्या तैयारी है, स्वास्थ्य सुविधाओं की क्या व्यवस्था है, ऐसी ही खबरें लगातार आ रही हैं। महाकुंभ के आयोजन में सरकार जितनी दिलचस्पी ले रही है, उतनी ही दिलचस्पी और लगन से अगर लोककल्याण कार्यों के दायित्व को निभाया जाए तो अमृत की बूंदों पर विशिष्ट लोगों तक नहीं, हर वर्ग तक पहुंचेंगी। रहा सवाल तिरुपति हादसे का, तो मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अस्पताल जाकर घायलों के हाल-चाल लिए हैं, प्रधानमंत्री से लेकर तमाम नेताओं की संवेदनाएं आ चुकी हैं, सरकार ने मुआवजे का ऐलान भी कर दिया है। इससे अधिक राहत या इंसाफ की अपेक्षा मौजूदा निजाम से नहीं की जा सकती।

तब कोई नक्सलवाद नहीं बचेगा

अरविन्द मोहन

आम तौर से खबरों से दूर रहने वाले छत्तीसगढ़ से आजकल दो तरह की खबरें आ रही हैं जो राष्ट्रव्यापी चर्चा में दिल्ली और बिहार की चुनावी चकल्लस वाली खबरों पर भारी पड़ रही हैं। युवा और जुनूनी पत्रकार मुकेश चंद्राकर की सरकारी दुलारे ठेकेदार सुरेश चंद्राकर और उसके लोगों द्वारा हत्या कराने का मामला अगर सबको झकझोर रहा है और शासन(जिसके समर्थन के बगैर सुरेश न तो इतना बड़ा बनाता और न ऐसा दुस्साहस करता) को भी सक्रिय होने के लिए मजबूर कर रहा है, तो बस्तर में छिड़ी सुरक्षा बलों और नक्सलियों की लड़ाई ने दर्जनों जानें ले ली हैं। अब नक्सलियों की तरफ से तो जवाबी कार्रवाई होने पर ही उनकी तैयारी और मंशा की खबर आती है लेकिन शासन की तरफ से केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश सरकार के काफी सारे लोग तथा नेता इस बार की लड़ाई में नक्सलवाद की सफाई का संकल्प दोहरा चुके हैं। बीजापुर में बारूदी सुरंगों में विस्फोट कराके नक्सलियों ने स्थानीय स्तर पर तैयार दो बालों के आठ लोगों को मार दिया तब अमित शाह ने कहा हम बस्तर से नक्सलवाद समाप्त करके रहेंगे। कुछ समय पहले उन्होंने कहा था कि हम 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद मिटा देंगे। बस्तर में भी अबूझमाड़ के एक हिस्से को छोड़कर बाकी सभी जगह नकसलियों से जुड़ा सर्वे चल रहा है और अभी के जारी टकराव में सुरक्षा बालों ने नक्सलियों का काफी नुकसान किया था। रविवार को ही तीन दिन की भिड़ंत के बाद पांच नक्सली मारे गए थे जबकि सुरक्षा बालों का एक जवान भी शहीद हुआ था। सोमवार की बीजापुर की घटना उसका जवाब थी। गृह मंत्री के संकल्प को ठीक और जरूरी मानना चाहिए क्योंकि देश के अंदर किसी भी गैर सरकारी संगठन या व्यक्ति की हैसियत कानून और संविधान से ऊपर नहीं हो सकती। और जिस ताकत की भी जरूरत हो शासन को उसका इस्तेमाल करके ऐसी गैर संवैधानिक सत्ता को समाप्त करना चाहिए। अमित शाह लंबे समय से सरकार में हैं और उनके कार्यकाल तथा भाजपा के कुल कार्यकाल को देखें तो इस मामले में उनकी उपलब्धियों और दावों में अंतर दिखेगा। पिछले साल से बस्तर में निश्चित रूप से सरकारी प्रयास बढ़े हैं। स्थानीय लोगों को लेकर फौज बनाना और उनको सामने करके एक्शन लेना अभी तक प्रभावी रहा है और पिछले साल में 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। दूसरी ओर सुरक्षा बलों को कम नुकसान हुआ है(92 जवान मारे गए हैं) तो सिविलियन कैजुआल्टी (241 मौत) बढ़ी है। इसका बढ़ना बताता है कि नक्सलियों में बौखलाहट बढ़ी है और वे निहत्थे लोगों पर अपना निशाना बना रहे हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि अबूझमाड़ के पास की यह घटना बारूदी सुरंगों में विस्फोट कराके अंजाम दी गई जो नक्सलियों का पुराना तरीका रहा है। अगर हम सरकार और नक्सलियों की ताकत पर नजर डालें तो यह कोई लड़ाई ही नहीं होनी चाहिए और ऐसा मुकाबला होने का दौर कब का समाप्त हो जाना चाहिए था। लेकिन बस्तर ही नहीं. देश के काफी सारे इलाकों में नक्सलियों की मौजूदगी और नेपाल से लेकर महाराष्ट्र तक के जंगल जैसे इलाकों(दंडकारण्य) को लेकर एक रेड कारीडोर बनाने का सपना पूरा करने की जिद अगर अभी भी जारी है तो इसके पीछे नक्सलवाद का राजनैतिक दर्शन जितना बड़ा कारण नहीं है उससे बड़ा कारण इन इलाकों का पिछड़ा होना है। बेरोजगारी बहुत है और आर्थिक पिछड़ापन जीवन को नरक बनाता है। फिर अगर सरकार फौज बनाती है तब और नक्सली फौज बनाते हैं तो नौजवानों की कमी नहीं रहती। मरने वाले दोनों तरफ के लोग यही बनाते हैं। सरकार की राष्ट्रभक्ति के पाठ में भी दम होता है तो नक्सली वर्ग संघर्ष और क्रांति के सपने का भी अपना नशा होता है और फिर हाथ में हथियार हो और चलाने की आजादी हो तो खुद को बादशाह समझना आसान बन जाता है। इस आधार पर इसे सिर्फ लॉ एंड आर्डर की समस्या मानना भी गलत होगा और मौजूदा नीति का यह दोष है कि इसमें डायलाग वाली जगह रखी ही नहीं गई है। ग्यारह साल के मोदी राज या उससे पहले के मनमोहन राज को देखें तो देश में नक्सली समस्या काफी काम हुई है। झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, बंगाल, आंध्र के ज्यादातर नक्सली इलाके आज शांत हो चुके हैं। बस्तर छोड़कर कहीं-कहीं उनका असर है। और यह समेटना सरकारी प्रयास के साथ संवाद या चुनावी लोकतंत्र में बढ़ती आस्था के साथ जुड़ा है। जब समस्याओं का निपटारा शांतिपूर्ण ढंग से हो जाए तो जान जोखिम में डालने की जरूरत नहीं लगती। दूसरी ओर नेपाल के प्रचंड से लेकर देश के नक्सली नेताओं का आचरण भी ऐसा हुआ है कि सामान्य बुद्धि वाले नौजवान को झूठा स्वर्ग दिखाना संभव नहीं रह है। नक्सल आंदोलन की अपनी कमजोरियां भी साफ दिखी हैं। हिंसा के अलावा बहुत कुछ ऐसा है जिसे समझना किसी नौजवान के लिए संभव है-जैसे बड़े व्यावसायिक घरानों से याराना और पैसा वसूली। कहीं भी आधुनिक पूंजीवादी व्यवस्था पर चोट न करके पुराने सत्ता प्रतीकों(जिसमें बड़ी जाति और जमींदारी शामिल है) को निशाना बनाना सवाल पैदा करता है कि गरीबी, बदहाली, पिछड़ेपन और अशिक्षा के लिए आज मुख्य दोषी कौन है। तब बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां और सरकारों में बैठे उनके एजेंट ज्यादा दोषी दिखेंगे। कायदे से सैनिक कार्रवाई या सख्ती के साथ शिक्षा और संवाद का कार्यक्रम भी चलना चाहिए, भटके नौजवानों की वापसी और पुनर्वास का काम भी होना चाहिए। यह याद रखना होगा कि नक्सली नेताओं में सिफ प्रचंड जैसे लोग ही नहीं हुए हैं(जो सत्ता पाते ही बदल जाएं) बल्कि त्याग तपस्या वाले भी है। वे वैचारिक रूप से भटके हो सकते हैं, हिंसा के सहारे राजनैतिक-सामाजिक बदलाव का भ्रम पाले हो सकते हैं पर उनका निजी आचरण और जीवन काफी लोगों को प्रेरक भी लगा सकता है और सबसे बढ़ाकर जिन स्थितियों में नक्सलवाद जन्म लेता और पनपता है, जमीन बनाता है उसको भी समाप्त करना लक्ष्य होना चाहिए। आजादी के पचहत्तर साल बाद भी बस्तर, पलामू, कालाहांडी और गढ़चिरौली जैसे पिछड़े ठिकाने होना देश के कथित विकास और भारत के विश्व शक्ति बन जाने का मुंह ही चिढ़ाते हैं। उन पर शर्म करना भी हमें और गृह मंत्री को सीखना होगा। जैसे ही इन सब मोर्चों पर फौजी मुहिम जैसी तत्परता दिखेगी, कोई नक्सलवाद नहीं बचेगा।

अपने शरीर से नफरत करने लगी थी विद्या बालन

उन्होंने हमें न केवल अपनी एक्टिंग से, बल्कि अपनी जिंदगी जीने के तरीके से भी प्रेरित किया है। पद्मश्री से सम्मानित इस एक्ट्रेस की जिंदगी में ऐसा वक्त भी आया था जब उन्हें बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ा था, से में उन्हें खुद से नफरत होने लगी थी। विद्या को हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है, जिसके कारण वह चाहे कितनी भी डायटिंग या वर्कआउट कर ले उनका उनका वजन कम नहीं होता।

विद्या बालन ने अपनी हॉर्मोनल समस्याओं के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्हें सबसे पहले खुद को स्वीकार करना पड़ा। उन्होंने यह समझा कि दूसरों से स्वीकृति पाने से पहले खुद को समझना और प्यार करना बहुत जरूरी है। उन्होंने हमेशा पतले या मोटे लुक को दरकिनार कर अपने शरीर के साथ पॉजीटिव रहने पर जोर दिया है। विद्या बालन जैसे उदाहरण हमें प्रेरित करते हैं कि खुद को समझना और स्वीकार करना, हर समस्या का पहला कदम है।

हॉर्मोनल असंतुलन एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में किसी विशेष हॉर्मोन का स्तर असामान्य हो जाता है। यह समस्या पुरुषों और महिलाओं दोनों में हो सकती है, लेकिन महिलाओं में यह अधिक सामान्य है। ज्यादातर यह समस्या 35 से 50 साल की महिलाओं में देखने को मिलती है लेकिन हैरानी कि बात यह है कि 70: भारतीय महिलाएं इसके लक्षणों को अनदेखा कर देती हैं।

महत्वपूर्ण हॉर्मोन

1. एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन (महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य के लिए)
2. टेस्टोस्टेरोन (पुरुषों के लिए प्रमुख हॉर्मोन)
3. थायरॉइड हॉर्मोन
4. इंसुलिन
5. कोर्टिसोल (तनाव हॉर्मोन)

हॉर्मोनल समस्याओं के कारण

–अत्यधिक मानसिक और शारीरिक तनाव।
–अनहेल्दी खाने की आदतें और पोषण की कमी।
–कम नींद और अनियमित दिनचर्या।
– महिलाओं में प्रजनन से संबंधित हॉर्मोनल समस्या।
– थायरॉइड हॉर्मोन का असंतुलन।
– रजोनिवृत्ति के दौरान हॉर्मोन का बदलना।
– परिवार में पहले से हॉर्मोनल समस्याओं का इतिहास।

हॉर्मोनल असंतुलन के लक्षण

महिलाओं में

1. मासिक धर्म में अनियमितता।
2. अचानक वजन बढ़ना या घटना।
3. त्वचा पर मुंहासे या पिगमेंटेशन।
4. अत्यधिक बाल झड़ना।
5. मूड स्विंग्स और अवसाद।
6. थकावट और ऊर्जा की कमी।
7. चेहरे पर अनचाहे बाल (हिर्सुटिज्म)।

पुरुषों में

1. टेस्टोस्टेरोन का कम स्तर।
2. बालों का झड़ना।
3. मांसपेशियों की कमजोरी।
4. ऊर्जा की कमी और थकावट।
5. यौन समस्याएं।

हॉर्मोनल समस्याओं से निपटने के उपाय

हरी सब्जियां, फल, और फाइबर युक्त भोजन करें। प्रोटीन, ओमेगा–3 फैटी एसिड, और विटामिन्स का सेवन बढ़ाएं। चीनी और प्रोसेस्ड फूड से बचें। योग और मेडिटेशन से भी तनाव को कम किया जा सकता है। योग और मेडिटेशन तनाव कम करने में सहायक हैं, नियमित वॉक या जिम एक्सरसाइज करें। सोने और जागने का नियमित समय बनाएं। थायरॉइड, पीसीओएस, या अन्य समस्याओं के लिए मेडिकल टेस्ट कराएं। विद्या बालन की तरह खुद को स्वीकारें और आत्म–प्रेम विकसित करें। किसी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें यदि अवसाद या तनाव हो।

विद्या बालन की कहानी से सबक

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने से समाधान की राह आसान हो जाती है। हॉर्मोनल असंतुलन एक सामान्य समस्या है, लेकिन सही जीवनशैली, संतुलित आहार, और मानसिक शांति से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। विद्या बालन जैसे उदाहरण हमें प्रेरित करते हैं कि खुद को समझना और स्वीकार करना, हर समस्या का पहला कदम है।

अगर आप हॉलीवुड फिल्में देखना पसंद करते हैं और गैंगस्टर–थ्रिलर वाली मूवीज के शौकीन हैं, तो हम आपको ऐसी शानदार फिल्मों की लिस्ट बता रहे हैं. इन्हें आप ओटीटी पर देख सकते हैं. अगर आप हॉलीवुड फिल्में देखना पसंद करते हैं और गैंगस्टर–थ्रिलर वाली मूवीज के शौकीन हैं, तो हम आपको ऐसी शानदार फिल्मों की लिस्ट बता रहे हैं. इन्हें आप ओटीटी पर देख सकते हैं. वैसे तो हर जोनर की अपनी फैन फॉलोविंग है, लेकिन थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर फिल्मों को लेकर एक अलग ही क्रेज देखा जाता है. अलग–अलग ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर ऐसी ही कई दमदार और दिलचस्प हॉलीवुड फिल्में स्ट्रीम हो रही हैं. शमिलर्स क्रॉसिंगश भी एक गैंगस्टर फिल्म निषेध युग के दौरान घटित होती है जिसकी कहानी टॉम रीगन (गेब्रियल बर्न) पर बेस्ड है.ये फिल्म अपने बेहतरीन डॉयलॉग्स, खूबसूरत सिनेमैटोग्राफी और ट्विस्ट से भरी मनोरंजक कहानी के लिए जानी जाती है. ये फिल्म प्राइम वीडियो पर अवेलेबल है.शरोड टू पर्डीशनश भी एक क्राइम–ड्रामा है जो मैक्स एलन कोलिन्स के ग्राफिक नॉवेल पर बेस्ड है. ये ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है. शसिटी ऑफ गॉडश एक ब्राजीलियाई क्राइम–ड्रामा है जो पाउलो लिंस की किताब से इंस्पायर है. फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे जिंदा रहने के लिए अक्सर युवाओं को गिरोह में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है. ये यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही है. माइकल कैन ने शगेट कार्टरश में लंदन के एक जालिम गैंगस्टर जैक कार्टर का किरदार निभाया है जो अपने भाई की हत्या के लिए इंवेस्टिगेशन करता है. इस दौरान जब उसे शहर में फैले अपराध और भ्रष्टाचार के जाल का पता चलता है तो जिम्मेदार लोगों से बदला लेने के लिए हिंसा का इस्तेमाल करता है. ये फिल्म प्राइम वीडियो पर अवेलेबल है. शडॉनी ब्रास्कोश एक क्राइम–ड्रामा है जो एक सीक्रेट एफबीआई एजेंट जोसेफ डी. पिस्टन की सच्ची कहानी पर बेस्ड है. उन्होंने 1970 के दशक में न्यूयॉर्क माफिया में घुसपैठ की थी. इसमें जॉनी डेप जो पिस्टन के रूप में नजर आए हैं. ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकती है. शद ड्रॉपश भी एक क्राइम–थ्रिलर फिल्म है जो ब्रुकलिन के तंग इलाकों पर बेस्ड है. इस फिल्म में टॉम हार्डी को बॉब सागिनोस्की के रूप में दिखाया गया है, जो एक बारटेंडर है और लोकल क्रिमिनल्स को पैसे को लूटने के लिए शड्रॉपश स्पॉट के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले बार में काम करता है।

ये फिल्म प्राइम वीडियो पर मौजूद है. प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही गैंगस्टर फिल्म शकिल द आयरिशश एक निडर आयरिश–अमेरिकी डकैत डैनी ग्रीन की सच्ची कहानी पर आधारित है. फिल्म ग्रीन की एक लेबर क्लास के बैकग्राउंड से लेकर क्लीवलैंड अंडरवर्ल्ड में एक अहम व्यक्ति बनने तक की जर्नी दिखाती है.

प्रोड्यूसर्स ने गोविंदा को दिया था धोखा

एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता ने बताया है कि प्रोड्यूसर गोविंदा का शोषण करते थे। काम के बदले फीस नहीं थे। लेकिन गोविंदा उन लोगों से कुछ नहीं कहते थे। हालांकि सुनीता इसके खिलाफ कहती थीं और गोविंदा को उनका हक भी दिलाती थीं। सुनीता ने हाउटरफ्लाई को दिए एक इंटरव्यू में बताया– मैं गोविंदा का काम देखती थी। मैनेजर होने के नाते मैंने देखा है कि लोग उन्हें पैसे नहीं देते थे और गोविंदा कहते थे– जाने दो उसका शो ठीक नहीं हो गया होगा। इस पर मैं कहती थी– ऐसा क्यों। तुमने डांस किया! है न? तुमने कड़ी मेहनत की! वो तुम्हें बेवकूफ बना रहा है, मुझे पता चल रहा है। 'गोविंदा की अच्छाई का प्रोड्यूसर्स फायदा उठाते थे'सुनीता ने बताया कि गोविंदा बहुत इमोशनल हैं। वे दूसरों पर आसानी से भरोसा कर लेते थे। प्रोड्यूसर्स उनकी इस अच्छाई का फायदा उठाते थे। उन्हें समय पर पेमेंट न करने का बहाना बनाते थे। वे कहते थे– चीची भैया, टिकटें नहीं बिकीं। मैं आपको 20–25 लाख रुपए बाद में दे दूंगा। लेकिन सुनीता को यह बिल्कुल भी पसंद नहीं था। सुनीता ने बताया कि जब वो गोविंदा के साथ गलत होता देखती थीं तो चुप नहीं बैठती थीं। प्रोड्यूसर्स से इस बारे में सवाल जरूर करती थीं। उनके इसी सीधे–सादे रवैये के कारण उन्हें इंडस्ट्री के लोग पसंद नहीं करते थे। इस बारे में उन्होंने कहा– अगर वे मुझे गाली भी देते तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं उनके सामने खड़ी होकर उनका (गोविंदा) हक लेती। मैं गोविंदा से कहती कि वे अपना काम करें और डांस करें और बाकी सब मुझ पर छोड़ दें।

डिजाइनर साड़ी–ब्लाउज में मौनी रॉय ने गिराई हुस्न की बिजलियां

मौनी रॉय डिजाइनर साड़ी और ब्लाउज में अपनी अदाओं का जादू फैंस पर चलाती नजर आ...

सोशल नेशन इवेंट में उर्फी जावेद ने रेड ड्रेस में दिए किलर पोज

उर्फी जावेद रेड कलर की डीप नेक कटआउट डिटेल्स वाली थाई–हाई स्लिट ड्रेस में बवाल मचाती नजर आ...

बर्फीली वादियों के बीच श्रद्धा कपूर ने कराया फोटोशूट

श्रद्धा कपूर बर्फ से ढंके पहाड़ों के बीच कुछ ऐसे पोज देती हुई दिखाई दीं, जिन पर फैंस दिल हार...

कामकाजी महिलाओं के लिए हेयर टिप्स

कामकाजी महिलाओं को अपने बालों को संभालने का ज्यादा समय नहीं मिलता है। ऐसे में उनके बाल दिनों–दिन डैमेज होते जा रहे है। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान हैं तो इन टिप्स को जरुर पूरा करें।

बिजी लाइफस्टाइल के चलते वर्किंग वूमेन अपने बालों की केयर ठंग से नहीं कर पाती है। बालों की केयर भी काफी जरुरी है। वरना बालों का डैमेज होना, ड्राई होना और बालों का शाइन तक चली जाती है। कामकाजी महिलाएं झटपट काम करने में रहती है इसलिए उन्हें अपने बालों की या फिर स्किन केयर के लिए भी समय नहीं मिलता है। अगर आप अपने बिजी लाइफस्टाइल से थोड़ा सा समय निकालकर हेयर्स पर ध्यान देते हैं, तो जल्द ही आपके बाल घने और स्मूद होंगे। आइए आपको कुछ हैक्स बतात हैं, जो आपके काफी काम आने वाले है।

बालों पर होममेड ऑयल लगाएं

केमिकल युक्त तेल से बालों में न लगाएं। इससे बेहतर है कि आप घर पर ही दादी–नानी के बताए हुए नुस्खा को ट्राई कर सकती हैं। आप घर पर ही मेथी और करी पत्ते का ऑयल बनाना सकते हैं।

कैसे बनाएं तेल

– सबसे पहले मेथी दाने और करी पत्तों को सरसों के तेल में अच्छे से पकाना है।

– अब इसमें थोड़ा सा ब्राह्मी पाउडर को मिक्स करना है।

– जब यह ठंडा हो जाए, तो इसे छान लें।

– इस तेल को आप एक जार में बंद करके रख लें।

– जब आप हेयर वॉश करने जाएं, तो उससे 30 मिनट पहले ऑयल को बालों में लगा लें। आपको रिजल्ट अच्छे मिलेंगे।

हेयर मास्क लगाएं

– आप एलोवेरा जेल, केला, नारियल तेल और शहद लेना है।

– इन तीनों चीजों को कटोरी में मिला लें और अच्छे से मिक्स कर दें।

– बाल धोने से पहले इसे हेयर्स पर अप्लाई करें।

– 20 मिनट के बाद बालों धो लें।

– इसकी मदद से आपके बाल टूटने और रुखे की समस्या गायब हो जाएगी।

ग्लोइंग स्किन के लिए गुलाब जल

सर्दी के मौसम में सबसे ज्यादा हमारी स्किन प्रभावित होती है। शुष्क हवाओं के कारण स्किन ड्राई हो जाती है। ऐसे में अपनी स्किन का ध्यान रखना भी काफी जरुरी है। अब आप गुलाबों से घर पर ही आसानी मॉइश्चराइजर बना सकते हैं, जो स्किन को ग्लोइंग बनाएंगी। आइए आपको बताते हैं इसे बनाने का तरीका।

ठंड के मौसम में स्किन ड्राई होने की समस्या सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। अगर आप भी अपनी सूखी और बेजान त्वचा से परेशान रहते हैं, तो स्किन केयर के लिए आप घर पर ही गुलाबों से ही मॉइश्चराइजिंग क्रीम बना सकते है। यह स्किन को मुलायम और मॉइश्चराइज करेगी। इसे बनाना भी काफी आसान है, चलिए आपको बताते हैं गुलाबों के फूलों से कैसे बनाएं मॉइश्चराइजर।

गुलाब के फूलों को फेंके नहीं ऐसे करें इस्तेमाल

ज्यादातर लोग गुलाब की पंखुड़ियों से रोज वाटर बनाते हैं। हालांकि इन फूलों से आप मॉइश्चराइजर बना सकते हैं। जो आपके चेहरे को पिंक सॉफ्ट ग्लो देगा। इसे बनाने के लिए केवल एक या दो गुलाब के फूल लगेंगे।

गुलाब के फूलों से बनाएं मॉइश्चराइजर

सामग्री

– एक से दो गुलाब के ताजे फूल

–5 मिली पानी

–30 ग्राम एलोवेरा जेल

–4 मिली बादाम का तेल

बनाने का तरीका

सबसे पहले इन सभी चीजों को मिलाकर मिक्सी में पीस लें और पेस्ट को तैयार कर लें। इस पेस्ट को किसी कांच की शीशी में निकालें और फ्रिज में स्टोर कर लें। फ्रिज में ये मॉइश्चराइजर एक सप्ताह के लिए आसानी से चल सकता है। यदि आप चाहें तो ज्यादा गुलाब के फूल लेकर भी मॉइश्चराइजर तैयार किया जा सकता है।

होममेड गुलाब मॉइश्चराइजर चेहरे पर कैसे लगाएं

रोजाना आप नहाने से पहले चेहरे, गर्दन और हाथों पर लगाएं। आधा घंटे बाद आप नहा सकते हैं। इसके यूज से आपकी स्किन सॉफ्ट, स्मूद टेक्स्चर देने के साथ ही पिंक ग्लो भी देगा।

क्या कटी प्याज बाद में इस्तेमाल कर सकते हैं

प्याज, जो भारतीय व्यंजनों का अहम हिस्सा है और अपने पोषण गुणों के लिए भी जाना जाता है, हाल ही में एक यूट्यूब वीडियो के दावे के कारण चर्चा में है। वीडियो में कहा गया है कि कटा हुआ प्याज लंबे समय तक रखने से यह बैक्टीरिया सोख लेता है और इसे खाने से पेट खराब होने के साथ–साथ फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है। आइए, इस दावे की गहराई से जांच करते हैं।

क्या दावा किया गया है?

यूट्यूब वीडियो के अनुसार, प्याज वातावरण से बैक्टीरिया को तेजी से एब्जॉर्ब करता है। अगर पहले से कटा हुआ प्याज खाया जाए तो यह फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकता है। वीडियो में कटा हुआ प्याज न खाने की हिदायत दी गई है, खासतौर पर जब इसे लंबे समय तक रखा गया हो।

विज्ञान क्या कहता है?

पुणे के मणिपाल हॉस्पिटल की डायटीशियन शालिनी सोमासुंदा का कहना है कि इस दावे का कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। प्याज में मौजूद सल्फर कंपाउंड स्वाभाविक रूप से बैक्टीरिया की बढ़त को रोकने में मदद करते हैं। इसलिए, यह दावा कि प्याज बैक्टीरिया को सोखकर खतरनाक बन सकता है, पूरी तरह से गलत है।

गंदे वातावरण का असर

डायटीशियन शालिनी का कहना है कि न केवल प्याज, बल्कि किसी भी खाद्य पदार्थ को गंदे वातावरण या गंदे बर्तनों में रखने से बैक्टीरिया का संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। गंदे वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, धूल और अन्य हानिकारक तत्व आसानी से खाने के संपर्क में आ सकते हैं। लंबे समय तक खुले में रखा खाना न केवल स्वाद को खराब करता है, बल्कि इसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक भी बना देता है। इस समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि हम अपने खाने के सामान को सही तरीके और साफ–सुथरे जगह पर स्टोर करें।

कैसे करें प्याज का सही स्टोरेज?

1. एयर–टाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें

कटा हुआ प्याज या अन्य खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए हमेशा एयर–टाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें। यह कंटेनर प्याज को गंदगी और बैक्टीरिया के संपर्क में आने से बचाता है। खुले में रखे गए प्याज में नमी और बैक्टीरिया तेजी से पनप सकते हैं, जो खाने को खराब कर सकते हैं। अगर आप इसे फ्रिज में रखते हैं, तो एयर–टाइट कंटेनर का उपयोग करने से इसकी ताजगी और गुणवत्ता बनी रहती है।

2. ताजा खाना बेहतर

कोशिश करें कि हर बार ताजा प्याज काटकर ही उपयोग करें। कटा हुआ प्याज लंबे समय तक रखने से न केवल स्वाद खराब होता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकता है। ताजा प्याज में पोषक तत्व ज्यादा बने रहते हैं और यह बैक्टीरिया के संक्रमण से भी बचा रहता है। इसलिए, खाना पकाने या सलाद के लिए हर बार ताजा प्याज का ही इस्तेमाल करें।

3. सही तापमान बनाए रखें

प्याज को स्टोर करने का सबसे अच्छा तापमान 5सी है। डायटीशियन के अनुसार, इस तापमान पर प्याज लंबे समय तक ताजा और सुरक्षित रहता है। अत्यधिक गर्मी या नमी प्याज को खराब कर सकती है और इसमें बैक्टीरिया के पनपने का खतरा बढ़ा देती है। अगर आप प्याज को फ्रिज में रखते हैं, तो ध्यान रखें कि फ्रिज का तापमान 5सी के आसपास हो। यह न केवल प्याज की शेल्फ लाइफ को बढ़ाता है, बल्कि इसे बैक्टीरिया के संक्रमण से भी बचाता है।

4. खुले में न छोड़ें

कटा हुआ प्याज या किसी अन्य खाद्य पदार्थ को कभी भी लंबे समय तक खुले में न रखें। खुला प्याज वातावरण में मौजूद धूल, गंदगी और बैक्टीरिया के संपर्क में आ सकता है। यह खासतौर पर तब ज्यादा खतरनाक हो सकता है जब आपका किचन गंदा हो या आसपास नमी और गर्मी ज्यादा हो। हमेशा प्याज को कटने के तुरंत बाद उपयोग करें या इसे एयर–टाइट कंटेनर में सुरक्षित तरीके से स्टोर करें।

दावा झूठा है

सजग फैक्ट चेक टीम की जांच में यह दावा पूरी तरह से झूठा साबित हुआ है। कटा हुआ प्याज बैक्टीरिया नहीं सोखता और फूड पॉइजनिंग का कारण नहीं बनता, बशर्ते इसे सही तरीके और साफ–सुथरे वातावरण में स्टोर किया जाए। साफ–सफाई और उचित रखरखाव पर ध्यान देकर आप प्याज और अन्य खाद्य पदार्थों का सुरक्षित तरीके से सेवन कर सकते हैं।

बादाम और मूंगफली कुछ लोगों के लिए एलर्जी का कारण

बादाम और मूंगफली को सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इनमें प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ लोगों के लिए ये सुपरफूड्स 'जहर' की तरह काम कर सकते हैं? जी हां, गलत खानपान या एलर्जी की समस्या के कारण बादाम और मूंगफली का सेवन कुछ लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

खांसी और खुजली की समस्या

शुरुआत में कुछ लोगों को बादाम और मूंगफली खाने पर हल्की खांसी या गले में खुजली महसूस होती है। यह संकेत हो सकता है कि उनका शरीर इन ड्राई फ्रूट्स को स्वीकार नहीं कर रहा है। ऐसी स्थिति में इनका सेवन तुरंत बंद कर देना चाहिए और डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

एलर्जी से जुड़ी समस्याएं

बादाम और मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है, जो कुछ लोगों के लिए एलर्जी का कारण बन सकती है। यह एलर्जी पीनट एलर्जी और नट एलर्जी के नाम से जानी जाती है। जिन लोगों को यह समस्या होती है, उनके शरीर में इनका सेवन करने पर प्रतिरक्षा तंत्र सक्रिय हो जाता है और हिस्टामीन नामक रसायन का निर्माण करता है, जिससे एलर्जी के लक्षण उभरने लगते हैं।

एलर्जी के सामान्य लक्षण

1. त्वचा पर खुजली या लाल चकत्ते
2. गले और जीभ में सूजन
3. सांस लेने में तकलीफ
4. पेट दर्द, उल्टी या डायरिया
5. गंभीर मामलों में एनाफाइलेक्टिक शॉक, जो जानलेवा हो सकता है।

किन्हें बचना चाहिए मूंगफली और बादाम से?

एलर्जी पीड़ित लोग

अगर किसी व्यक्ति को मूंगफली या अन्य नट्स से एलर्जी है, तो उन्हें इनका सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। मूंगफली या बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स में मौजूद प्रोटीन शरीर में एलर्जी को ट्रिगर कर सकता है। इस एलर्जी से त्वचा पर खुजली, लाल चकत्ते, गले और जीभ में सूजन, या सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। कुछ मामलों में यह समस्या इतनी गंभीर हो सकती है कि एनाफाइलेक्टिक शॉक का कारण बन जाए, जो जानलेवा साबित हो सकता है। एलर्जी के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और इस प्रकार के खाद्य पदार्थों से पूरी तरह बचें।

अस्थमा के मरीज

अस्थमा से पीड़ित लोगों को मूंगफली और बादाम का सेवन बेहद सावधानी से करना चाहिए। इन खाद्य पदार्थों में मौजूद तत्व अस्थमा के लक्षणों को और बढ़ा सकते हैं। मूंगफली में तेल और प्रोटीन ऐसे रसायन बना सकते हैं, जो सांस लेने में परेशानी पैदा करते हैं। अस्थमा के मरीजों को सलाह दी जाती है कि वे मूंगफली और बादाम का सेवन करने से पहले डॉक्टर की राय जरूर लें, क्योंकि इससे उनकी स्थिति और खराब हो सकती है।

पाचन समस्या वाले लोग

जिन लोगों को पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं, उनके लिए मूंगफली और बादाम का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। मूंगफली और बादाम भारी खाद्य पदार्थ माने जाते हैं, जिनका पाचन आसान नहीं होता। इससे पेट दर्द, गैस, और अपच की समस्या हो सकती है। खासकर, रात के समय इनका सेवन करने से बचना चाहिए, क्योंकि यह पाचन प्रक्रिया को और धीमा कर सकता है। जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर है, उन्हें इन्हें कम मात्रा में या बिल्कुल न खाना बेहतर होगा।

गर्भवती महिलाएं

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपने खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जिन गर्भवती महिलाओं को नट्स से एलर्जी है, उन्हें मूंगफली और बादाम से बचना चाहिए। गर्भावस्था के दौरान एलर्जी से मां और बच्चे दोनों की सेहत को खतरा हो सकता है। इसके अलावा, मूंगफली या बादाम का अधिक सेवन गर्भवती महिलाओं में गैस, पेट फूलने और अपच की समस्या पैदा कर सकता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह लेना और संतुलित मात्रा में ही इनका सेवन करना बेहद जरूरी है।

सावधानियां और सुझाव

डॉक्टर से सलाह लें: अगर आपको किसी भी प्रकार की एलर्जी महसूस हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

शुरुआत में कम मात्रा में सेवन करें: पहली बार बादाम या मूंगफली खाने से पहले इन्हें कम मात्रा में लें और शरीर की प्रतिक्रिया पर ध्यान दें।

प्रोसेस्ड नट्स से बचें: पैकेज्ड या प्रोसेस्ड मूंगफली और बादाम में अतिरिक्त तेल और मसाले होते हैं, जो एलर्जी को बढ़ा सकते हैं।

एपिपेन का इस्तेमाल: गंभीर एलर्जी वाले लोग अपने पास एपिपेन (इमरजेंसी इंजेक्शन) जरूर रखें।

क्या करें अगर एलर्जी हो जाए?

तुरंत एंटीहिस्टामीन दवा लें (डॉक्टर की सलाह से)।

ठंडी चीजों का सेवन करें, जिससे खुजली और सूजन कम हो।

गंभीर मामलों में तुरंत अस्पताल जाएं।

बादाम और मूंगफली सेहत के लिए फायदेमंद हैं, लेकिन हर किसी के लिए नहीं। अगर आपको इनसे एलर्जी है, तो इनका सेवन पूरी तरह से बंद कर दें। अपनी सेहत का ध्यान रखें और किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करते समय अपने शरीर की प्रतिक्रिया पर ध्यान देना न भूलें।

संक्षिप्त

पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या नौ वर्षों में 400 से बढ़कर 1.57 लाख, फंडिंग 14 गुना बढ़कर 115 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के स्टार्टअप में नौ साल में फंडिंग 14 गुना से ज्यादा बढ़कर 115 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। 2016 में यह सिर्फ 8 अरब डॉलर थी। इस अवधि में स्टार्टअप इंडिया पहल के लॉन्च के बाद से 2024 के अंत तक पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 400 से बढ़कर 1.57 लाख से अधिक हो गई है। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के मुताबिक, समर्पित स्टार्टअप नीतियों वाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्टार्टअप की संख्या 2016 के चार से बढ़कर 31 हो गई है। यूनिकॉर्न की भी संख्या कई गुना बढ़ी है। 2016 में 8 यूनिकॉर्न थे, जो अब 118 हो गए हैं। कम से कम एक अरब डॉलर मूल्य वाले स्टार्टअप को यूनिकॉर्न कहते हैं। सरकार ने नवाचार को बढ़ावा देने और स्टार्टअप तंत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की थी।

2016 से अब तक 17 लाख से अधिक को मिलीं नौकरियां

डीपीआईआईटी के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय स्टार्टअप्स ने पिछले नौ साल में 17 लाख से अधिक नौकरियां पैदा की हैं। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत एक अप्रैल, 2016 या उसके बाद बने स्टार्टअप आयकर छूट के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिन मान्यताप्राप्त स्टार्टअप को अंतर–मंत्रालयी बोर्ड प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है, उन्हें स्थापना के बाद से 10 वर्षों में से लगातार तीन वर्षों की अवधि के लिए आयकर से छूट दी जाती है।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने सिरमा एसजीएम की लैपटॉप असेंबली लाइन की आधारशिला रखी

चेन्नई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण कंपनी सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड की तमिलनाडु इकाई में लैपटॉप की एक नई 'असेंबली लाइन' की आधारशिला रखी। सिरमा एसजीएस ने चेन्नई स्थित अपने अत्याधुनिक संयंत्र में लैपटॉप बनाने के लिए एआई–संचालित पर्सनल कंप्यूटर विनिर्माता एमएसआई के साथ साझेदारी की है। एक बयान के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने लैपटॉप उत्पादन की नई असेंबली लाइन की आधारशिला रखने के बाद कहा

कि यह मेक इन इंडिया पहल में एकमील का पत्थर है। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण परिवेश के विकास में सिरमा एसजीएस के प्रयासों की सराहना की और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में इस तरह की पहल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतेंद्र सिंह ने कहा, यह सहयोग न केवल हमारे आईटी हार्डवेयर विनिर्माण को बढ़ावा देता है। एमएसआई जैसी वैश्विक दिग्गज के मानकों को पूरा करने वाले, उच्च गुणवत्ता वाले अभिनव समाधान देने की हमारी क्षमता को भी रेखांकित करता है। बयान के मुताबिक, सिरमा एसजीएस 20 देशों में 270 से अधिक ग्राहकों को सेवाएं देती है। वित्त वर्ष 2023–24 में कंपनी ने लगभग 3,212 करोड़ रुपये का एकीकृत राजस्व अर्जित किया था।

बैंकों के पास तरलता की दिक्कत से कर्ज पर ऊंची रह सकती ब्याज दरें, बैंकरों ने CRR में कटौती का सुझाव दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों के पास तरलता की दिक्कत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कुछ बाजार सहभागियों ने आरबीआई से प्रणाली में तरलता बढ़ाने की मांग की है, ताकि बैंक आसानी से उधार दे सकें। सहभागियों के समूह ने

बृहस्पतिवार देर रात केंद्रीय बैंक के अधिकारियों से मिलकर इससे निपटने के उपाय भी सुझाए। बैंकिंग प्रणाली में तरलता की दिक्कत बरकरार रहती है तो उधार पर ब्याज दरें ऊंची रहने की संभावना है। इससे कर्ज देने की रफ्तार प्रभावित हो सकती है, खासकर जब देश की आर्थिक वृद्धि धीमी हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ बैंकरों ने बैंकों के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में अस्थायी कटौती का भी सुझाव दिया। इससे बैंकों के पास नगदी बढ़ जाएगी। सीआरआर वह हिस्सा होता है, जो बैंक आरबीआई के पास रखते हैं। दिसंबर के मध्य से बैंकिंग प्रणाली की तरलता लगातार गिर रही है। पिछले पांच हफ्तों में दैनिक औसत कमी लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये रही है। बैंकरों ने बताया कि आरबीआई से जो पैसे वे ले रहे हैं, उसकी एक रात की दर उनकी न्यूनतम सीमांत स्थायी सुविधा दर से भी ऊपर बनी हुई है। इसका अर्थ है कि बैंक आरबीआई से उच्च ब्याज दरों पर उधार ले रहे हैं। ऐसे में बैंक ग्राहकों को भी ज्यादा ब्याज दर पर उधारी देंगे।

बिग बैश लीग में गरजा स्टीव स्मिथ का बल्ला, 58 गेंद में जड़ दिया शतक

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने शनिवार को बिग बैश लीग में शानदार वापसी की। स्मिथ ने 58 गेंद बेहतरीन शतक जड़ा जो इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा शतक रहा। उनकी पारी की बदौलत सिडनी सिक्सर्स ने पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ 222 रनों का विशाल स्कोर बनाया। स्मिथ को आईपीएल 2025 के लिए नीलामी में किसी टीम ने नहीं खरीदा था। ऐसे में उन्होंने दिखाया है कि उनमें अभी भी टी20 खेलने का दमखम बाकी है। उन्होंने इस मैच से पहले जुलाई 2024 में पिछला टी20 मैच खेला था। वहीं, स्मिथ फरवरी 2024 से कोई अंतरराष्ट्रीय टी20 नहीं खेले हैं।

स्मिथ ने जीवनदान का भरपूर फायदा उठाया

स्मिथ को 31 के निजी स्कोर पर जीवनदान मिला था, जब कूपर कोनोली ने उनका आसान कैच छोड़ दिया था। स्मिथ ने पर्थ स्कॉर्चर्स के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और 58 गेंद में शतक पूरा किया। स्मिथ ने अपनी पारी के दौरान स्विच हिट से लेकर हर क्रिकेटिंग शॉट्स खेले। शनिवार को जब स्मिथ ने स्विच हिट लगाया तो फैंस झूम उठे। यह एक ऐसा शॉट है, जो आमतौर पर स्मिथ खेलते दिखाई नहीं पड़ते हैं। स्मिथ 64 गेंदों पर 121 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और सात छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 189 का रहा। उनके अलावा बल्लेबाज बेन ड्वारशुइस सात गेंद में एक चौका और तीन छक्की की मदद से 23 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान मोइसेस हेनरिक्स ने 28 गेंद में छह चौके और दो छक्के की मदद से 46 रन बनाए।

स्मिथ ने मैकडरमोट की बराबरी की

अगर सैम फैनिंग ने डीप मिड विकेट पर एक बेहतरीन सेव नहीं किया होता तो स्मिथ अपने शतक तक तीन गेंद पहले ही पहुंच गए होते। फैनिंग के अविश्वसनीय प्रयास ने स्मिथ को खेल के 19वें ओवर में झाय रिचर्डसन की गेंद पर छक्के से रोक दिया। बल्लेबाज ने हालांकि ज्यादा समय बर्बाद नहीं किया और अगली तीन गेंदों में शतक पूरा कर लिया। स्मिथ ने इस शतक की मदद से बेन मैकडरमोट के बीबीएल रिकॉर्ड की बराबरी की। अब मैकडरमोट के साथ–साथ स्मिथ के नाम टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक है। मैकडरमॉट ने जहां बीबीएल में 96 पारियों में तीन शतक लगाए हैं, वहीं स्मिथ ने टूर्नामेंट में सिर्फ 32 पारियां खेलकर इतने ही शतक लगाए हैं। अपने शतक तक पहुंचने के बाद स्मिथ ने हर एक गेंद पर अटैक करने की कोशिश की। 20वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए जेसन बेहरेनडॉर्फ की पहली चार गेंदों पर स्मिथ ने तीन छक्के जड़े, जिससे सिडनी सिक्सर्स का कुल स्कोर 222 रन हो गया। यह स्मिथ का ओवरऑल टी20 में चौथ शतक रहा।

मैच में क्या हुआ?

मैच की बात करें तो पर्थ स्कॉर्चर्स के कप्तान एश्टन टर्नर ने टॉस जीतकर सिडनी सिक्सर्स के कप्तान हेनरिक्स को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। जोश फिलिप नौ रन बना सके। स्मिथ ओपनिंग करने उतरे थे। इसके बाद कर्टिस पैटरसन भी 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 49 रन पर सिडनी ने दो विकेट गंवा दिए थे। वहीं, स्मिथ ने हेनरिक्स के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी निभाई। हेनरिक्स के आउट होने पर ड्वारशुइस के साथ मिलकर स्मिथ ने 58 रन की नाबाद साझेदारी की। पर्थ की ओर से बेहरनडॉर्फ, एश्टन एगर और कोनोली को एक–एक विकेट मिला। 221 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पर्थ की टीम 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 206 रन बना सकी। टीम के लिए सैम फैनिंग ने 29 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 41 रन बनाए। वहीं, कोनोली ने 23 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। कप्तान एश्टन टर्नर ने 32 गेद में छह चौके और दो छक्के की मदद से 66 रन बनाए। वहीं, मैथ्यू स्पूर्स 17 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 में थोड़ा कमजोर रहने की आशंका: आईएमएफ प्रमुख

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा है कि स्थिर वैश्विक वृद्धि के बावजूद 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 'थोड़ा कमजोर' रहने की आशंका है। जॉर्जीवा ने कहा कि उन्हें इस साल दुनिया में मुख्य रूप से अमेरिका की व्यापार नीति को लेकर काफी अनिश्चितता नजर आने की संभावना दिख रही है। उन्होंने अपनी वार्षिक मीडिया गोलमेज बैठक में कहा कि वर्ष 2025 में वैश्विक वृद्धि स्थिर रहने की संभावना है लेकिन इसमें क्षेत्रीय भिन्नताएं देखने को मिलेंगी। जॉर्जीवा ने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शुमार भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 में थोड़ा कमजोर होने की आशंका भी जताई। हालांकि, उन्होंने इस बारे में कुछ अधिक नहीं बताया। विश्व अर्थव्यवस्था परिदृश्य पर आने वाली रिपोर्ट में इस बारे में अधिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा, "अमेरिका हमारी अपेक्षा से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, यूरोपीय संघ (ईयू) कुछ हद तक रुका हुआ है, (और) भारत थोड़ा कमजोर है।" इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ब्राजील कुछ हद तक उच्च मुद्रास्फीति का सामना कर रहा है। जॉर्जीवा ने कहा कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन में मुद्रास्फीति कम होने से पैदा होने वाले दबाव और घरेलू मांग को लेकर जारी चुनौतियों की स्थिति नजर आ रही है। जॉर्जीवा ने कहा, "निम्न आय वाले देश अपने सभी प्रयासों के बावजूद ऐसी स्थिति में हैं, जहां कोई भी नया झटका उन पर काफी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।" उन्होंने कहा, "आशंका है कि 2025 में आर्थिक नीतियों के मामले में काफी अनिश्चितता रहेगी। आश्चर्य की बात नहीं है । कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार और भूमिका को देखते हुए आने वाले प्रशासन के नीतिगत कदमों, खासकर शुल्क, कर, विनियमन एवं सरकारी दक्षता को लेकर वैश्विक स्तर पर गहरी दिलचस्पी है।"

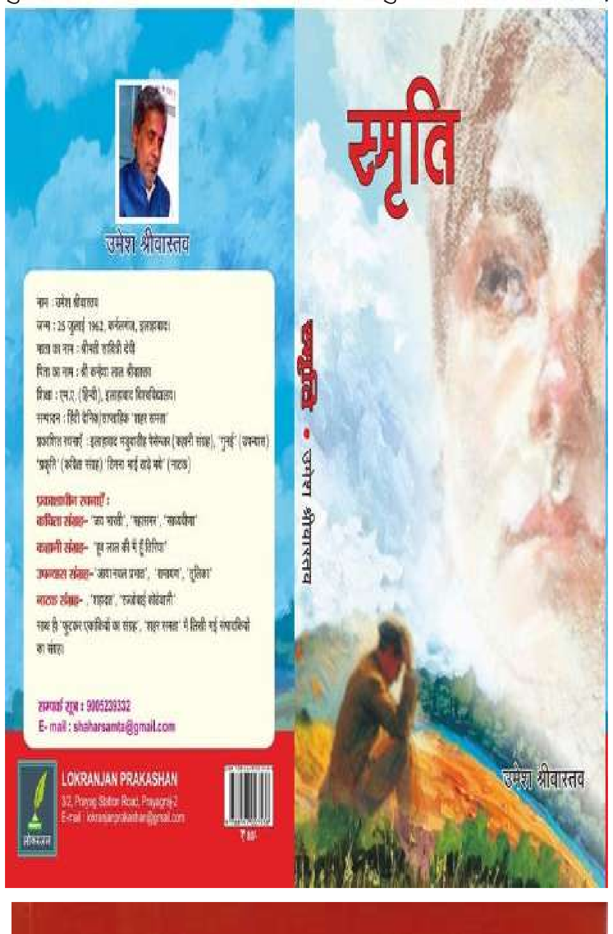

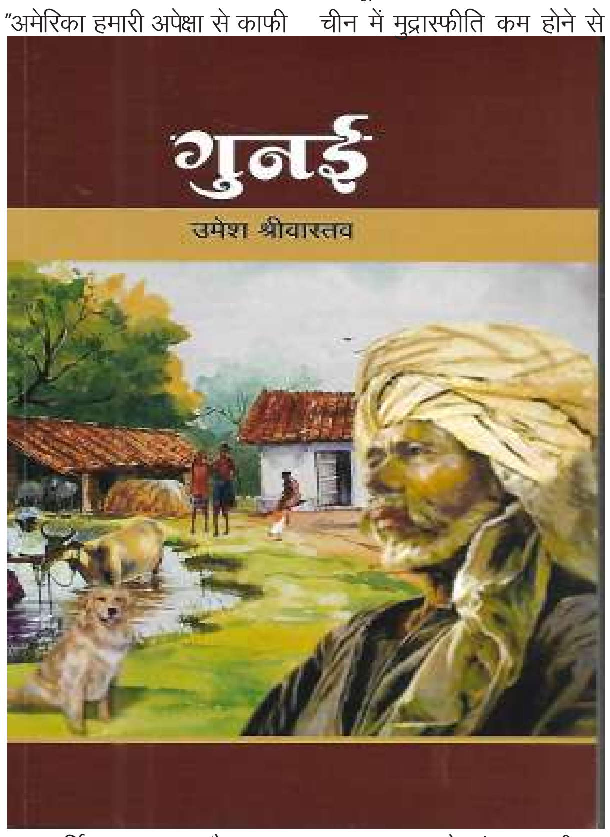

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

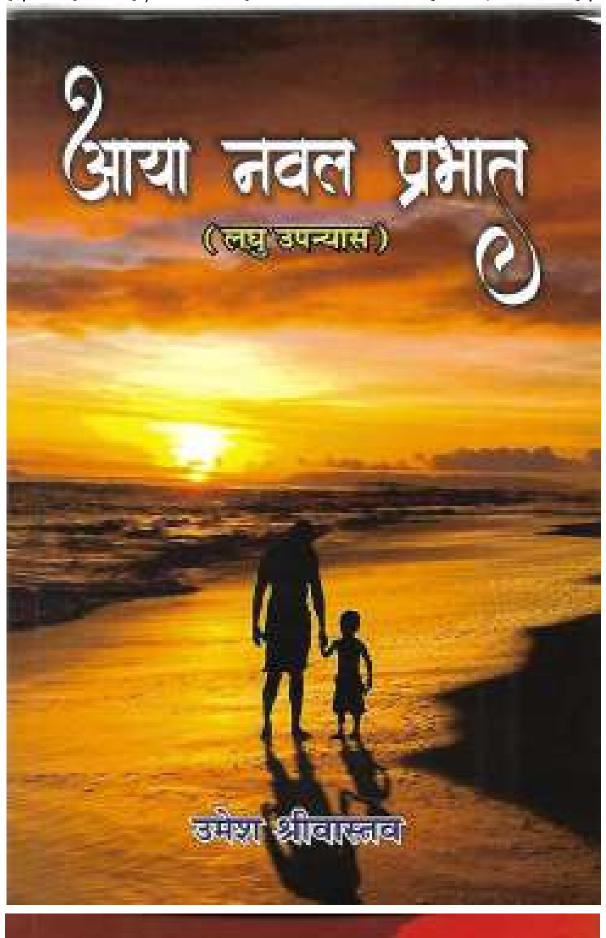

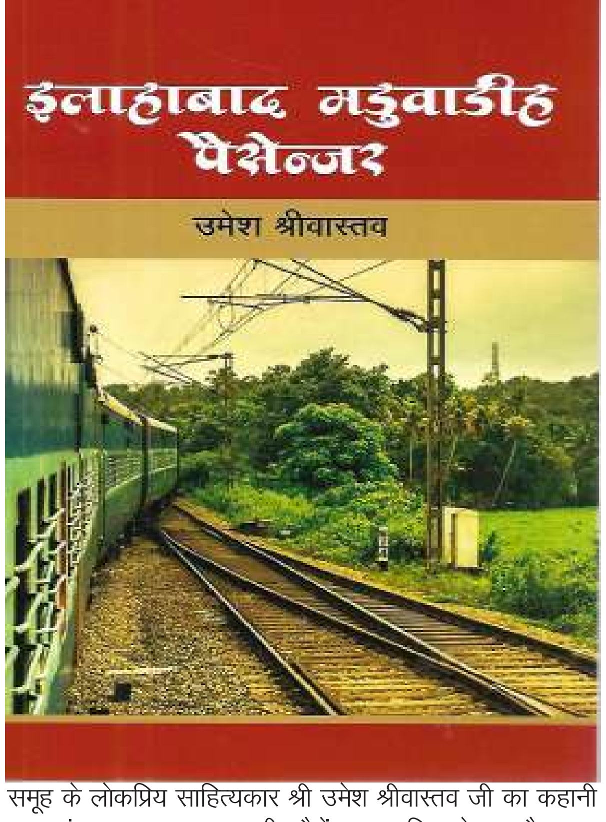

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

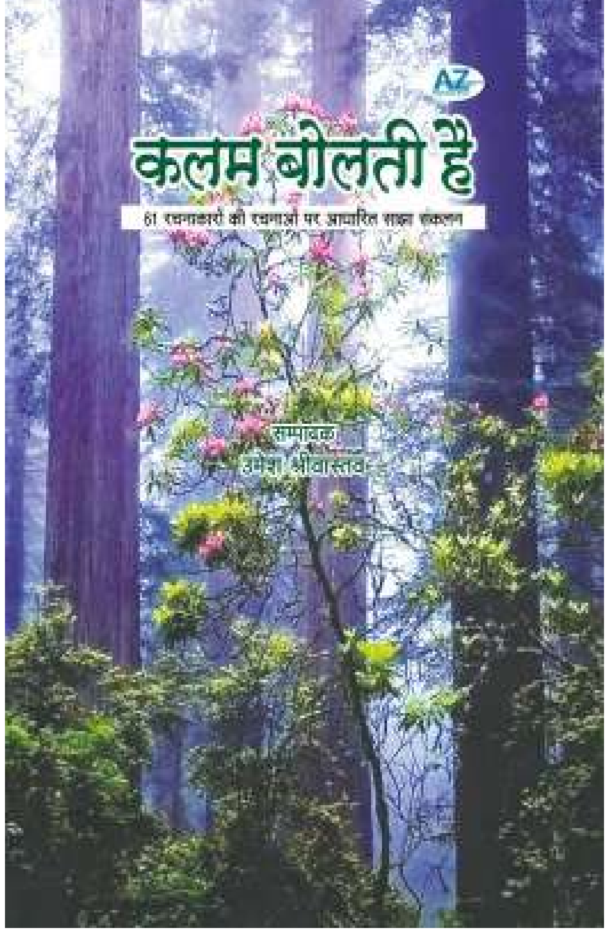

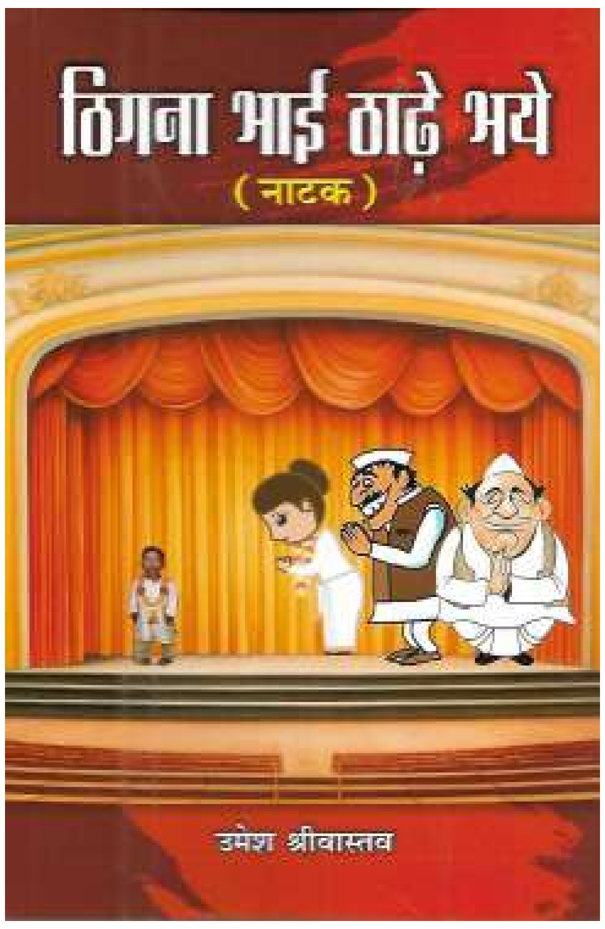

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

मैं डोनाल्ड ट्रंप को हरा देता, लेकिन...चुनाव के 2 महीने बाद राष्ट्रपति पद की रेस से हटने की जो बाइडेन ने बताई वजह

अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार को रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप से मिली हार के बाद अब निर्वतमान राष्ट्रपति जो बाइडन का बड़ा बयान सामने आया है। जो बाइडन ने कहा कि नवंबर में हुए आम चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप को हरा देते, लेकिन उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की एकता की खातिर बीच में ही दौड़ से हटने का फैसला किया। व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान जो बाइडन से पूछा गया कि क्या आपको दोबारा चुनाव न लड़ने के अपने फैसले पर पछतावा है? क्या आपको लगता है कि इससे आपके पूर्ववर्ती के लिए आपका उत्तराधिकारी बनना आसान हो गया? जवाब देते हुए जो बाइडन ने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि मैं ट्रम्प को हरा सकता था। मुझे लगता है कि कमला (हैरिस) ट्रम्प को हरा सकती थी। पार्टी को एकजुट करना महत्वपूर्ण है और जब पार्टी इस बात को लेकर चिंतित थी कि मैं आगे बढ़ पाऊंगा या नहीं, तो मैंने सोचा कि पार्टी को एकजुट करना बेहतर होगा। हालांकि मुझे लगा था कि मैं फिर से जीत सकता हूं। बाइडन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान था, लेकिन मैं ऐसा व्यक्ति नहीं बनना चाहता था जिसने ऐसी पार्टी को चुनाव हारा दिया जो एकजुट नहीं थी। और इसीलिए मैंने एक तरफ कदम बढ़ाया। लेकिन मुझे विश्वास था कि वह जीत सकती है। बाइडन ने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक ऐसा निर्णय है जिसके बारे में वह सोच सकती हैं। वह चार साल बाद फिर से चुनाव लड़ने के लिए सक्षम है। यह निर्णय उन्हें ही लेना होगा। इस दौरान बाइडन से पूछा गया, क्या आप राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी सक्रिय रहने की योजना बना रहे हैं, या आप बुश मॉडल का अनुसरण करने जा रहे हैं, जहां आप लोगों की नजरों से ओझल रहेंगे? इसका जवाब देते हुए बाइडन ने कहा मैं न तो नजरों से ओझल होऊंगा और न ही दिलों से। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बाइडन 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद छोड़ देंगे। उनकी जगह डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप बाइडन से पहले भी अमेरिका के राष्ट्रपति रह चुके हैं।

भारत-अमेरिका संबंध आज जिस मुकाम पर है वह बाइडन प्रशासन की अहम उपलब्धि : सुलिवन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि भारत–अमेरिका संबंध आज जिस मुकाम पर है, वह बाइडन प्रशासन की एक अहम उपलब्धि है। उन्होंने साथ ही स्वीकार किया कि भारत के साथ संबंधों में उतार–चढ़ाव भी आए, जैसे कि भारत सरकार के एक अधिकारी द्वारा एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की कथित साजिश के मुद्दे पर। सुलिवन ने व्हाइट हाउस के रूजवेल्ट रूम में एक गोलमेज बैठक के दौरान संवाददाताओं से कह कि मुझे लगता है कि अमेरिका–भारत संबंध आज जिस मुकाम पर है वह इस (बाइडन) प्रशासन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। (हिंद–प्रशांत) क्षेत्र में हमारे सहयोगियों और साझेदारों के बीच संबंधों की समग्र स्थिति और एकीकरण... हम अगले प्रशासन को दे रहे हैं।'' सुलिवन इस सप्ताह की शुरुआत में नयी दिल्ली से लौटे हैं। उन्होंने अपने भारत दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की थी। उन्होंने बांग्लादेश में शासन परिवर्तन में अमेरिका की किसी भी भूमिका से इनकार किया। सुलिवन ने उम्मीद जताई कि खालिस्तानी चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित हत्या की कोशिश का मामला अमेरिका की नयी सरकार के दौरान भी जारी रहेगा। अमेरिकी एनएसए ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमें इस तथ्य के बाद आगे बढ़ना था कि एक अमेरिकी नागरिक की हत्या का प्रयास किया गया। हमने उस पर काम किया है...।'' भारत–अमेरिका संबंधों में पिछले चार सालों में आए उतार–चढ़ाव के बारे में सुलिवन ने कहा,'' किसी भी रिश्ते में, किसी भी दोस्ती में, व्यापार और अर्थशास्त्र के मुद्दों पर, या जी20 घोषणापत्र के शब्दों को लेकर असहमति होती है, और हम समझौता करने और समाधान के साथ आने के लिए काम करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन ईमानदारी से, मैं कहूंगा कि संबंध वास्तव में चार वर्षों में मजबूत होते चले गए।

मीथेन गैस के चलते हुआ बलूचिस्तान की कोयला खदान में विस्फोट, चार शव मिले, आठ की अभी भी तलाश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में कोयला खदान में हुए विस्फोट के बाद बचाव कार्य जारी है। इस हादसे में अब तक चार शव बरामद हो चुके हैं। आठ खनिक अभी भी लापता हैं और उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। कोयला खदान में विस्फोट की घटना नौ जनवरी की है, जब बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से लगभग 40 किलोमीटर दूर संजदी इलाके में कोयला खदान में विस्फोट हुआ। विस्फोट से खदान ढह गई और उसमें 12 खनिक फंस गए। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने शनिवार को बताया, खदान में मीथेन गैस के जमा होने से विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि 24 घंटे से अधिक समय से बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चल रहा था, लेकिन जहरीली गैस और मलबे की मौजूदगी के कारण बचाव अभियान की प्रगति धीमी है। रिंद ने बताया कि शुक्रवार शाम तक बचावकर्मी खदान से चार शव निकालने में सफल रहे। प्रांत के खनन विभाग के प्रमुख अब्दुल्ला शावानी ने माना कि बचे हुए आठ श्रमिकों के बचने की संभावना बहुत कम है, क्योंकि वे खदान के नीचे लगभग 1500 फीट नीचे दबे हुए थे। उन्होंने कहा कि खदान निजी तौर पर संचालित है और यह पता लगाने के लिए जांच की जाएगी कि विस्फोट क्यों हुआ और क्या खनन के लिए उचित नियमों का पालन किया गया या नहीं। बलूचिस्तान के खनन और वित्त मंत्री मीर शोएब नोशेरवानी ने कहा कि बचाव दल शेष खनिकों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। खदान श्रमिक संघ के नेता पीर मुहम्मद काकर ने कहा कि यह घटना कोयला खदान के मालिक और खदान विभाग के अधिकारियों द्वारा खनन नियमों को लागू नहीं करने का परिणाम है। उन्होंने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। कोयला समृद्ध पश्चिमी बलूचिस्तान में कोयला खदान ढहने और श्रमिकों की मौत की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। पिछले साल मार्च में, हरनाई में एक कोयला खदान में गैस विस्फोट में कम से कम 12 खनिक मारे गए थे। मई 2018 में, संजदी में दो कोयला खदानों के ढहने से 23 लोग मारे गए और 11 घायल हो गए थे। साल 2011 में भी 43 श्रमिकों की मौत हो गई थी जब गैस विस्फोट के कारण बलूचिस्तान की कोयला खदान ढह गई थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवशयकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

.919450482227

ईरान की जंगी तैयारी तेज, ट्रंप और नेतन्याहू को दिया सीधा मैसेज

अमेरिका और इजरायल की तरफ से न्यूक्लियर साईट्स को निशाना बनाए जाने की चर्चाओं के बीच ईरान ने जंग की तैयारी शुरू कर दी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने एक भूमिगत मिसाइल भंडारण सुविधा का अनावरण किया है। तस्नीम न्यूज की रिपोर्ट के अनुसारतेहरान ने घोषणा की कि वह नई विशेष मिसाइलें बना रहा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें सुरक्षा बलों के कमांडर मेजर जनरल होसैन सलामी और ब्रिगेडियर जनरल अमीर अली हाजीजादेह दिख रहे हैं। ईरानी समाचार आउटलेट के अनुसार, अक्टूबर और अप्रैल में इज़राइल के खिलाफ ईरान के कुछ ऑपरेशन इस भूमिगत मिसाइल बेस का उपयोग करके किए गए थे। ईरान के दक्षिण–पश्चिमी शहर अबादान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सलामी ने यह भी घोषणा की कि आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स नई विशेष मिसाइलें विकसित कर रही है। ईरान की तरफ से ये घोषणा जनरल अली मोहम्मद नैनी की चेतावनी के कुछ दिनों बाद आई है कि ईरान इस महीने नए अभ्यास आयोजित करेगा। तस्नीम न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, नैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि भूमिगत शहर शामिल होगा जो मिसाइलों और ईरान के दक्षिण में जहाजों को समायोजित करने वाली एक अन्य सुविधा का भंडारण करेगा। मीडिल ईस्ट में बढते तनाव के बीच जानकार ये मान रहे है कि ईरान का लक्ष्य यह दिखाना है कि उसने क्षेत्र में सत्ता नहीं खोई है। हालाँकि, कुछ ही महीनों में तेहरान को कई झटके लगे। लेबनान, गाजा और यमन में ईरान समर्थित सेनाएं अभी भी इजरायल के हमले का सामना कर रही हैं और ईरान के सहयोगी सीरियाई नेता बशर अल–असद के शासन के पतन ने देश को सदमे में छोड़ दिया है। सलामी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हमारी प्रतिरोधक क्षमता किसी अन्य देश की कार्रवाई के आधार पर तैयार नहीं की गई है। पिछले साल अक्टूबर में, इज़राइल ने कहा था कि उसने यहूदी राष्ट्र पर तेहरान द्वारा किए गए पहले हमलों के जवाब में ईरान के अंदर ईरानी मिसाइल निर्माण साइटों और हवाई रक्षा प्रणालियों पर हमला किया था। हमले के समय, ईरान के विदेश मंत्रालय ने इज़रायली हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताते हुए कहा कि वह अपनी रक्षा करने का हकदार और बाध्य है।ष दिलचस्प बात यह है कि यह वीडियो अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह से कुछ दिन पहले भी जारी किया गया था।

क्षेत्रीय तनाव के बीच इंडोनेशिया-जापान का करार, रक्षा व आर्थिक संबंध मजबूत करने का वादा

बोगोर, एजेंसी। वैश्विक भू–राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा की यात्रा के दौरान जापान और इंडोनेशिया ने शनिवार को आर्थिक और रक्षा संबंधों को और मजबूत करने का संकल्प लिया। बता दें कि, मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात के बाद जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा शुक्रवार को कुआलालंपुर से जकार्ता पहुंचे। दोनों देशों की उनकी यात्रा का उद्देश्य दक्षिण चीन सागर में चीनी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है, क्योंकि इस महीने में निवर्निवाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद इस क्षेत्र में अमेरिकी उपस्थिति कम हो सकती है।

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने किया पीएम इशिबा का स्वागत

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो ने जकार्ता के ठीक बाहर बोगोर राष्ट्रपति भवन में जापानी प्रधानमंत्री इशिबा का स्वागत किया, उनके साथ इंडोनेशियाई पारंपरिक कपड़े पहने हुए स्वागतकर्ता और एक सैन्य बैंड था जिसने दोनों नेताओं – दोनों पूर्व रक्षा मंत्रियों – के बीच द्विपक्षीय बैठक से पहले दोनों राष्ट्रगान बजाए। इस बैठक के दौरान, पीएम इशिबा ने इंडोनेशिया के खाद्य और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य का समर्थन करने, इसके रक्षा विकास में भाग लेने और खनिजों के रणनीतिक खनन समेत इसके प्राकृतिक संसाधनों के औद्योगिकीकरण और इंडोनेशियाई स्कूली बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का वादा किया।

जापान ने इंडोनेशिया को मदद का किया वादा

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में, जापान के प्रधान मंत्री ने इंडोनेशिया को आर्थिक सहयोग और विकास संगठन का सदस्य बनने में मदद करने का भी वादा किया। दोनों पक्षों ने इंडोनेशियाई परिवहन और वितरण प्रणालियों में सुधार के लिए पाटिम्बन में एक नए बंदरगाह के निर्माण समेत परियोजनाओं के लिए 90.4 बिलियन येन (573 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तक के जापानी ऋण पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान सुबियांटो ने कहा कि बैठक र्गर्मजोशी, मैत्रीपूर्ण और गहनप थी, और उन्होंने क्षेत्रीय स्थिति और बढ़ते राजनीतिक तनाव पर भी चर्चा की। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने कहा, इंडोनेशिया सभी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की इच्छा रखता है, ताकि वह ऐसे माहौल में योगदान दे सके जो प्रमुख देशों के बीच तनाव को कम कर सके।

समुद्री सुरक्षा के बारे में चर्चा शुरू करने पर सहमत– इशिबा

पीएम इशिबा ने कहा, श्सुरक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों के बारे में, हम दोनों देशों के रक्षा अधिकारियों के बीच समुद्री सुरक्षा के बारे में चर्चा शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसमें रक्षा उपकरण प्रौद्योगिकी सहयोग में भागीदारी भी शामिल है।श यह यात्रा मंगलवार को जकार्ता में जापानी रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी की अपने इंडोनेशियाई समकक्ष सजाफ्री सजामसोएद्दीन से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हुई, जहां दोनों मंत्रियों ने नौसेना के जहाजों और अन्य सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर बातचीत जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। इशिबा ने शुक्रवार को जकार्ता पहुंचने के तुरंत बाद अपने कार्यालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा कि श्बल या दबाव के की तरफ से यथास्थिति को एकतरफा रूप से बदलने का कोई भी प्रयास दुनिया में कहीं भी अस्वीकार्य है।

अमेरिका में 19 जनवरी के बाद टिकटॉक पर प्रतिबंध, संघीय कानून को बरकरार रखने के पक्ष में अधिकांश न्यायाधीश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 19 जनवरी के बाद से वीडियो शेयरिंग एप टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को अधिकांश न्यायाधीश उस संघीय कानून को बरकरार रखने के पक्ष में दिखे, जहां 19 जनवरी के बाद से टिकटॉक पर प्रतिबंध लग जाएगा। टिकटॉक बनाम गारलैंड वह कानूनी मामला है जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अमेरिकी सरकार की तीन शाखाओं के खिलाफ खड़ा करता है। इनका एक समान विचार है कि ऐप राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने कहा, श्क्या हमें इस तथ्य को नजरअंदाज करना चाहिए कि टिकटॉक की पैरेंट कंपनी कोई खुफिया काम कर रही है? जस्टिस ब्रेट कवानघ ने बताया कि अमेरिकियों पर विदेशी डाटा संग्रह की चिंताएं बहुत अधिक थी। जस्टिस एमी कोनी बैरेट ने कहा, कानून टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के लिए नहीं कहता। कानून बाइटडांस को पीछे हटने के लिए कह रहा है। अगर ऐसा हो जाता तो हम यहां नहीं होते।' स्टार्क पिक्चर के क्रिएटर फ्रैंसिस्को ने कहा, श्हम जोखिमों पर विवाद नहीं कर रहे। सरकार ने इसे रोकने के लिए जो उपाय अपनाए हैं, हम उस पर विवाद कर रहे हैं। टिकटॉक की तरफ से पेश हुए वकील जेफरी फिशर ने कहा, यह कानून इतिहास, संस्कृति और काम करने के अधिकार के खिलाफ था। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टिकटॉक पर बैन लगाने के लिए हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि, उन्होंने बाद में कहा कि वे इसे बचाना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

रूस पर प्रतिबंध लगाने से यूक्रेन को मदद मिलेगी : बाइडन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका ने रूस पर बड़े पैमाने पर प्रतिबंध लगाए हैं ताकि यूक्रेन को अपनी स्वतंत्रता बनाए रखने और मॉस्को के खिलाफ लड़ने में मदद मिल सके। डोनाल्ड ट्रंप को कमान सौंपने से दस दिन पहले, बाइडन प्रशासन ने शुक्रवार को उन कंपनियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिए जो ऊर्जा, खास तौर पर गैस के निर्यात में रूस की मदद करती हैं। इनमें से दो कंपनियां भारत की हैं। प्रतिबंध से

संबंधित सूची में कहा गया है कि दो भारतीय कंपनियों 'स्काईहार्ट मैनेजमेंट सर्विसेज' और 'एविजन मैनेजमेंट सर्विसेज' पर पाबंदी लगाई गई है। बाइडन ने एक सवाल के जवाब में कहा, "ये प्रतिबंध इसलिए लगाए गए हैं क्योंकि इनका रूसी अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ेगा तथा पुतिन के लिए युद्ध लड़ना और भी मुश्किल हो जाएगा।" बाइडन ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, "हो सकता है कि गैस की कीमतें 0.03 से 0.04 अमेरिकी डॉलर प्रति गैलन तक बढ़ जाएं, लेकिन इससे रूस की युद्ध लड़ने की क्षमता पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।" बाइडन ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा, "मेरा मानना है कि पुतिन इस समय मुश्किल स्थिति में हैं। मुझे लगता है कि यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि उन्हें उन भयानक कार्यों को करने के लिए कोई मौका न मिले जो वह लगातार कर रहे हैं। उनके सामने आर्थिक समस्याएं हैं, राजनीतिक समस्याएं हैं।"

एआई सम्मेलन में शामिल होने फ्रांस जाएंगे पीएम मोदी, राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया सारा प्लान

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 से 11 फरवरी तक फ्रांस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। राजदूतों के 30 वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए मैक्रों ने कहा कि फ्रांस एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन एआई पर एक अंतरराष्ट्रीय बातचीत की अनुमति देगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी होंगे, जो हमारे देश में एक प्रमुख यात्रा पर जाएंगे क्योंकि हम एआई पर सभी शक्तियों के साथ बातचीत करना चाहते हैं।

हमने भारत को आमंत्रित किया है और शिखर सम्मेलन के पहले हम भारत के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। फ्रांसीसी प्रेसीडेंसी ने एक बयान में कहा, गलत सूचना और एआई का दुरुपयोग ऐसे विषय हैं जिन पर ध्यान दिया जाएगा। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि एआई शिखर सम्मेलन मुख्य रूप से नवाचार और प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करेगा, जबकि फ्रांस और यूरोप को वैश्विक एआई परिदृश्य के केंद्र में स्थापित करने की कोशिश की जाएगी। मैक्रों ने वैश्विक चर्चा के विषय के रूप में एआई के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसमें अमेरिका, चीन और भारत जैसे देशों के साथ–साथ खाड़ी देश भी शामिल हैं, जिनकी एआई प्रौद्योगिकियों के विकास और विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका है। एआई शिखर सम्मेलन पांच महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित होगा, जिनमें नवाचार और संस्कृति, वैश्विक एआई प्रशासन, एआई में सार्वजनिक हित, काम का भविष्य और एआई में विश्वास शामिल हैं। शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं, बड़ी और छोटी कंपनियों के सीईओ, शिक्षा जगत के प्रतिनिधि, गैर सरकारी संगठन, कलाकार और नागरिक संगठनों के सदस्य भाग लेंगे।

अमेरिका में भारतीय नागरिक ने बाल यौन शोषण सामग्री रखने का आरोप स्वीकार किया

अमेरिका में भारत के एक नागरिक ने बाल यौन शोषण सामग्री रखने के आरोप स्वीकार कर लिए हैं। एक वकील ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी अब्दुल रऊफ शेख को अधिकतम 20 वर्ष कारावास की सजा सुनाई जा सकती है और 250,000 अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अदालती दस्तावेजों के अनुसार शेख पहले 'कार्निवल क्रूज लाइन्स' नामक कंपनी में कार्यरत था। अमेरिकी आंतरिक सुरक्षा विभाग के विशेष एजेंटों को न्यू ऑरलीन्स के एराटो स्ट्रीट क्रूज टर्मिनल में शेख के पास बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री मिली थी,

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।